



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

स. 350]

मई दिल्ली, मंगलवार, जून 9, 1992/ज्येष्ठ 19, 1914

No. 350] NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 9, 1992/JYAISTHA 19, 1914

इस भाग में भिन्न छृंक संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कृषि संशोधन

(पशु पालन तथा दैरी विभाग)

प्रधिकारिता,

नई दिल्ली, 9 जून, 1992

का. आ. 405 (अ) — केंद्रीय सरकार की यह गय है कि लोक-
हित में वांछित व्यापकीय वृद्धि की पूरते को बनाए रखने और इसमें
वृद्धि के लिए यह आवश्यक है कि इधर और दूध उत्पादन के उत्पादन
पूर्ति तथा वितरण को वित्तियमित करन के लिए उपचार किया जाए।

अब, केंद्रीय सरकार आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955
का 10) की व्यापक उपायों का प्रयोग करने हुए निम्न-
लिखित आदेश देती है। अधीक्त :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ :

(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम दूध और दूध उत्पाद आदेश
1992 है।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है।

(3) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएँ :—

इन आदेश में, जब तक कि मंदर्भ में व्यापक अपेक्षित न हो :—

(क) “अधिनियम” में आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955
का 10) अधिप्रेत है;

(ख) “बोर्ड” ने पैरा 3 के अधीन गठित दूध और दूध उत्पाद
संनाहकार बोर्ड अधिप्रेत है;

(ग) “दूध और दूध उत्पाद का कारबाह” से दूध और दूध
उत्पाद का विक्रय और क्रय अधिप्रेत है और इसके प्रत्यगत दूध
या दूध उत्पाद को विनियोग, प्रमाणण, उठाई-धराई या
नियंत्रण भी है;

(घ) “अधिकार” में दूध और दूध-उत्पाद सनाहकार बोर्ड का अध्यक्ष
अधिप्रेत है।

(अ) "नियंत्रक" से धारा 12 के अधीन नियुक्त भारत सरकार का अधिकारों अधिवेष है;

(ब) "दूरध" से गाय, भैंस, भेड़, यकरी का, दूध या छन्दा भिया, चाहे वह कच्चा या किसी भी ढंग से प्रसंकेत हो, अधिवेष है, और दूरध अंतर्गत गायबाणूत्तर गायबाणूत्तर पुः संयोगित, मूर्खिकारित, अस्तीकू, मूर्खिका, टोंड, टवन टोंड, मानकूकून या पूर्ण मलाई युक्त दूरध भी है;

(द) "दूरध उत्पाद" से निम्नलिखित अधिवेष है:— प्रोम, मार्गी, दहा, मूर्खियोगी, नाना दूध का बहो, श्रीदार्द, पर्विर गा छेंद, मूर्खिया दूध का पर्वार या छेंदा, चांज, मूर्खिया चैंज और चैंज स्ट्रेंड, भाईसकीम, भियिक आईम, संचित दूध (मूर्खित और अमूर्खित), संचित मूर्खिया दूध (मूर्खित और अमूर्खित), सूर्ण दूध चूर्ण, मूर्खिया दूध चूर्ण, भागन मूर्खिया दूध चूर्ण, चोप्रा, रशी, कुल्की, कुल्का, केमिन, खीद्या से बनी भियाई, पर्वार, छेंदा, गिण दूरध प्रायुष, टेकल मूर्खिया, देसी मूर्खिया, चोय, खटर प्रायुष और इनके अंतर्गत कोई अन्य पदार्थ, जिनमें शुक्ल भार के ग्राहार पर दूध के ठोक पदार्थ (मिलाई गई भीनी को ऐफिकर) या किसी अन्य पदार्थ का, जिसे केन्द्रीय सरकार अधिकृतता द्वारा दूरध उत्पाद घोषित करे, कम से कम 50 प्रतिशत हो;

(ज) "मिल गैड" से रजिस्ट्रीकरण प्राप्तान्त्र धारक द्वारा दूध, या दूरध उत्पाद के मध्यम के लिए रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी द्वारा भौगोलिक रूप से भीमाकृत कोई भी शेष अधिवेष है;

(क) "दूरध उत्पादक" से विक्रय के लिए या उसके किसी दूरध उत्पादक में संपरिवर्तन के लिए धारा 12 वायित दूरध के उत्पादक के लिए गाय, भैंस, भेड़ या बकरों का स्वामी या इसे रखने वाला व्यक्ति या अन्यथा ऐसा व्यक्ति जिसका उम पर तिकंत्रण भी अधिवेष है;

(न) "दूरध डोम पदार्थ" से दूध के प्रबन्ध यंगटक अधिवेष है और इसमें दूरध-वसा और गैर वसा दूरध सबटक, या नो एकक रूप में या किसी अनुपात में संयोगिक रूप में अस्तित्व है;

(ट) "रजिस्ट्रीकरण प्राप्तान्त्र" से इस ग्राहित के अवृत्त जारी किया गया प्राप्तान्त्र अधिवेष है;

(अ) "सज्जन प्रधिकारी" से इस धारेष के अधीन रजिस्ट्रीकरण करने और रजिस्ट्रीकरण प्राप्तान्त्र जारी करने पैरा 31 के उप-पैरा (2) के उपवधों के अध्यवधित केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त या प्रदत्ताभिन प्राधिकारी अधिवेष है;

(ब) "प्रन्तुकी" से इस धारेष से मर्जन अनुमूल्य अधिवेष है।

3. दूरध और दूरध उत्पाद सलाहकार बोर्ड :

(१) केन्द्रीय सरकार इस धारेष के प्राप्तान्त्र प्रधानमंत्री के 180 दिन पश्चात् नहीं, यजपव में अधिकृत द्वारा बोर्ड का गठन करेगी जिसे दूरध उत्पाद सलाहकार बोर्ड नहीं जाएगा और जो किम्लिखित में मिलकर बनेगा, अस्ति:

(I) सरकारी सरकार :

(क) सचिव, भारत सरकार, पशुपालन नदा उर्दो विभाग, कृषि मंत्रालय, (परेन)

(ख) संयुक्त सचिव, भारत सरकार,

भारताधिक उर्दो विभाग,

कृषि मंत्रालय।

(परेन)

(ग) संयुक्त सचिव, भारत सरकार

अधिकारिक विभाग उर्दो विभाग,

(परेन)

(घ) संयुक्त सचिव, भारत सरकार

जाती प्रमेस्तरग उर्दो विभाग,

(परेन)

(ङ) गवर्नर महानिदेशक स्वास्थ्य सेवा,

भारत सरकार

(परेन)

(ज) पिरेणक, राष्ट्रीय देवी अनुसंधान संसाधा,

करनाल

(परेन)

(झ) प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय देवी विभाग बोर्ड, प्रनिद

(परेन)

(ज) प्रबंध निदेशक, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी आनंद

देवी संघ

(परेन)

(II) गैर सरकारी सरकार :

(क) सहकारी देवी शेष में दो अधिनिधि ।

(ख) प्राइवेट सेक्टर में दूरध या दूरध उत्पाद के कारबाह में नगे व्यक्तियों में से दो अधिनिधि ।

(III) बोर्ड के सचिव

(१) केन्द्रीय सरकार बोर्ड के गैर सरकारी सदस्यों और सदस्य-सचिव की नियुक्ति प्रधिकृतना द्वारा नेन बर्द के लिए करेंगी ।

(२) सदस्य सचिव और गैर-सरकारी सदस्यों का नियुक्ति के निवापन और जारी वे दोही जी केन्द्रीय सरकार समर-समय पर अवधारित करे ।

(३) कोई गैर सरकारी सदस्य और सदस्य सचिव अवधार को दूरध विभाग ने देवी संघ देकर ग्रान पद से नियमान्वय दे सकेगा ।

(४) अध्यवध की अनुपस्थिति में या उम प्रधारि के लिए जब कोई अवधार सही है जैसी भी स्थिति तो, कृषि मंत्रालय में पशुपालन और देवी विभाग में देवी विभाग का आरसाधक भारत सरकार का संयुक्त सचिव बैठक की अवधारता करेगा या अवधार के रूप में कार्य करेगा ।

(५) एक कलेक्टर बर्द में बोर्ड की कम से कम चार बैठकें होंगी ।

(६) यदि बोर्ड में किसी गैर सरकारी सदस्य को मूल्य पर्वतान्त्र या अन्य कारणों से जोही रिमिंग गैरी है, तो इस पर्वत हुई रिमिंग की उम पैरा (2) के उपवधों के अनुसार भरा जाएगा और इस प्रकार नियुक्त प्रस्तेक व्यक्ति तक उम पद को वार्ता करेगा जब तक कि उम गैर-सरकारी सदस्य ने पैर धारण किया होता जिसके स्वान पर उमे मनोनीत किया गया है ।

(४) बोर्ड की बैठक के लिए कीमत पांच होगा ।

(५) बोर्ड जैसा उपयुक्त गवर्नर, ग्रान्ट कार्यवाही बला मकान के परन्तु किसी विषय पर जहाँ बोर्ड के मन में सात रूप से दो गवर्नरों से विभाजित हो जाये, वहाँ अध्यक्ष या बैठक की अध्यक्षता करने वाले अधिकार की ओर निर्णयिक होंगा ।

६. बोर्ड के कार्य ।

(१) दूध और दुध उत्पाद संस्थान को बोर्ड है और दुध उत्पादन के उत्पादन विनिर्माण, विक्रय का और वितरण से संबंधित किसी मामले में भागीदारिक मामलों में केन्द्रीय सरकार का गहायना करेगा और यताहु रहेगा ।

(२) उपर्युक्त (१) के उपर्युक्त की अधिकता पर प्रतिकूल प्रभाव जैसा बोर्ड नियन्त्रिति के संबंधित मामलों पर वैधति सरकार को सलाह दे सकेगा ।

(३) विभिन्न श्रेणीों और मांगवां में अवस्थान पूर्ति को सुनिश्चित करके दूध दूध वी पूर्ति और उत्पादन को मुगम बनाना,

(४) दूध और दुध उत्पादन के नियन्त्रण और उत्पादन को उत्पादन करना और उपका सामान्यपूर्ण वितरण और उपलब्धता बनाए रखना,

(५) दूध और दुध उत्पादन के नियन्त्रण और उत्पादन को उत्पादन करना और उत्पादन मात्रकों एवं मापदण्डों को स्थापना करना,

(६) दूध और दुध उत्पादन के विनिर्माण में स्वच्छता और स्वास्थ्यकार परिस्थितियों के उत्पादन करना, रखना,

(७) किसी उत्पादन जो दूध या दुध उत्पादनों से संबंधित है, को स्थापना उत्पादन या रजिस्ट्रीकरण करना और

(८) ऐसे अन्य प्रयोजन जो आदेश के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक या आनुपर्याप्त है ।

जहाँ केन्द्रीय सरकार यह समझती है कि दूध और दुध उत्पाद संस्थान को बोर्ड की विनियोगता का इस आदेश के कार्यान्वयन में किसी प्रकार उपरोक्त किया जा सकता है, वहाँ ऐसा गती नियन्त्रणों और संसाधनों के अध्यक्षता जो केन्द्रीय सरकार विनियिष्ट करे आदेश के कार्यान्वयन से वह संबंधित बोर्ड द्वारा किए जाने वाले किसी कार्ये के संबंध में वह नियन्त्रण के लिए सक्षम होती और ऐसे स्थिति में बोर्ड ऐसे कार्ये करने के लिए सक्षम होगा ।

५. रजिस्ट्रीकरण:-

(१) इस आदेश के प्रारंभ को तारीख से ही कोई भी अस्ति तथा दूध या दुध उत्पाद का विनिर्माण या कारबाह, यहाँ करेगा जब तक कि उसने रजिस्ट्रीकरण प्रयोगपत्र करने के लिए रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी का विहित कोग सहेत पहला अनुसूचा में विनाईपैट प्रक्रिया में ऐसे प्रारंभ का तारीख से ५० दिन के भीतर अवंशन न हो दिया हो ।

(२) ऐसे अधिक जो प्रति दिन इस व्यावाह वाटर से अधिक दूध या गो दूध वाटर में अधिक दूध या दुध द्वारा उत्पाद का होता है वा द्वृत्ति दूध के लिए नियन्त्रण दूध का तारीख से ५० दिन

स्वामित्वाधीन या नियन्त्रण में स्थापन या एकत्र (या उसके गाम ऐसे एक से संशिक स्थापन है तो सभी स्थापनों को मिलाकर) में उक्त स्थापित क्षमता है को उपर्युक्त १ के उपर्युक्त लाग होगे ।

(३) जहाँ बोर्ड व्यक्ति या उपकरण या स्थापन या एकत्र जो इस प्रादेश के प्रत्युष होने की प्रारंभ से ठोक पहले उत्तोग (विकास और विनियमन) विभिन्नतम् १९५१ (१९५१ का ६५) के प्रधीन अनुचित या रजिस्ट्रीकरण प्रयोग पत्र प्राप्त करने के गत्तेत दुष्प्र या जिसी दुष्प्र उत्पाद को हैटल प्रमंतवरण या विनिर्माण के लिए सम्भव रूप से प्राप्तिकरण में, उक्त अनुचित या रजिस्ट्रीकरण प्रयोगपत्र दाग ग्राह्य अधिकारी विभिन्न उपकरण के लिए आदेश देगा ।

(४) उपर्युक्त (३) में नियिष्ट अनुचित या रजिस्ट्रीकरण प्रयोगपत्र की विभा में, इस आदेश के अधीन रजिस्ट्रीकरण के नियन्त्रण अंतर्गत गती में केवल वे विषय ऐसे मिलक गैड को विनियिष्टया या कोई अन्य विषय जो उत्पाद (विकास और विनियमन) विभिन्नतम् १९५१ (१९५१ का ६५) के क्षेत्राधिकार में नहा जाते हैं सम्पन्न होते ।

(५) आवेदन प्राप्त होने पर रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी रजिस्ट्रीकरण के मामले में जिसी नियंत्रण पर पहुंचने के लिए ऐसी अन्य विनियिष्टया जो प्रावधानक समझी जाए गांग रहेगा और ऐसी प्रवधि के भीतर जोकि इस नियमित रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी द्वारा विनियिष्ट कर जाए, प्रावधक उन्हें देगा ।

(६) ऐसी जांच करने के पश्चात् जो आवश्यक समझी जाए,--

(७) उपर्युक्त (३) में विनियिष्ट आवेदन की बाबत रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी रजिस्ट्रीकरण करेगा और आवेदक को दूसरी अनुसूची में विनियिष्ट प्रक्रिया में रजिस्ट्रीकरण प्रयोगपत्र देगा;

(८) उन मामलों में जहाँ उपर्युक्त (१) के प्रधीन कोई आवेदन किया गया है, रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी ऐसी जांच करने के पश्चात् जैसी वह ठीक समझी,--

(९) रजिस्ट्रीकरण करेगा और दूसरी अनुसूची में यथा विनियिष्ट प्रक्रिया में रजिस्ट्रीकरण प्रयोगपत्र देगा परन्तु यह इसमें इसके पश्चात् उपर्युक्त (४) के उपर्युक्त का ध्यान रखते हुए ऐसे नियन्त्रणों और गती के प्रधीन होगा जो विनियिष्ट की जाए, या

(१०) प्रस्तुतीकृत के कारणों को विनियिष्ट करते हुए रजिस्ट्रीकरण प्रस्तुतीकृत करेगा ।

(११) रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन का, यावतीश्वय, आवेदन की प्राप्ति की तारीख से साठ दिन की भवधि के भीतर रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी द्वारा निपटान किया जाएगा ।

परन्तु आवेदक द्वारा उपर्युक्त (३) के प्रधीन विनियिष्टया देने के लिए विषय गता समय साठ दिन की भवधि को गणना करने में निकल जाएगा ।

(१२) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी नियन्त्रणों और गती को विनियिष्ट करने में नियमितविकृत वालों को ध्यान में रखेगा, अर्थात्:--

(१३) मिलकगतीयों में जैसे दुष्प्र का उचित उपयोग,

- (ii) जनता के लिए दुरुध की उपनिवेशी;
- (iii) भेंट्र में उपनिवेश दुरुध की खालिटी और साक्षा,
- (iv) दुरुध की लाभकारी कीमत;
- (v) दुरुध और दुरुध उत्पाद के हैंडिंग को लिए उपनिवेश मुख्यिता;
- (vi) सहकारी संकटर को विवेदन देने की नीति; और
- (vii) कोई अन्य विषय जो ऐसी उद्योग के स्वभा विकास के लिए सुविधापूर्ण हो।

(9) इस आदेश के अन्तर्गत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने समय, यदि रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी ने मिल्केशेड को विनिविष्ट किया है तो पंजीकरण प्रमाणपत्र धारी उसी मिल्केशेड से दुरुध संपर्क के लिए विवेदन होगा।

(10) यदि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्रधारी दुरुध या दुरुध-उत्पादों का कारबाह एक से अधिक परिसरों में चलाता है तो प्रत्येक उपक्रम, या स्थापन या एक की बाबत उसे अलग-अलग रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र देना होगा।

6. रजिस्ट्रीकरण और उसका नवीकरण : (1) इस आदेश के अन्तर्गत जारी किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की सारीकरण से तीन वर्षों की अवधि के लिए वैध होगा।

(2) जहाँ कोई रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पैरा 5 के उप पैरा (3) के अधीन दिया गया है तो उसके पैरा 5 में विनिविष्ट अनुचित के विवरण अन्तर्वित होना चाहिए तब तक विविधान्य रहेंगी जब तक कि उसके आवेदन पर रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन नहीं कर दिया जाता।

(3) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन, रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को नीमरा अनुसूची में विनिविष्ट प्रक्रम में रजिस्ट्रीकरण की अवधि की समाप्ति से कम से कम माठ दिन पूर्व किया जाएगा।

परन्तु रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी उसके अवधि की समाप्ति के पश्चात आप कोई आवेदन को तब ग्रहण कर सकेगा यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि उसके अवधि के भावतः आवेदन न करने का पर्याप्त और उचित कारण था।

(4) पैरा 5 के उप पैरा (3) में विनिविष्ट रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के नवीकरण के आवेदन की वृश्चक तक तार्मजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदन को नामजूरी के बिल्ड अंतुक वर्गित करने के लिए उचित अवधि न दिया गया हो।

परन्तु तब तक कोई आवेदन नामजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदन को नामजूरी के बिल्ड अंतुक वर्गित करने के लिए उचित अवधि न दिया गया हो।

परन्तु यह और कि आवेदन की नामजूरी के आवेदन की प्रति आवेदक को संमूलित की जाएगी।

7. उपस्कर या परिसरों में उपायरण, परिवर्धन या विवरण : पैरा 5 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए या पैरा 6 के अधीन उसके नवीकरण के लिए कोई आवेदन की दण्ड में, यदि रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी का किसी रिपोर्ट का प्राप्ति से या अन्यथा यह समाधान हो जाता है कि स्वच्छता संबंधी अपेक्षाओं के इल्टनम भानकों का अनुरक्षण या दुरुध या दुरुध उत्पाद के खालिटी मानकों को सुनिश्चित करने, या यशोनगी या परिसरों की आवात सकाई सुनिश्चित भानके के लिए उपस्कर या परिवर्धन में कोई उपायरण, परिवर्धन या परिवर्तन करना प्रावधान है तो, यह, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने या नवीकरण करने के बजाए, इस

निदेश के भाव कि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्रधारी विषय अवधि के भीतर उपायरण परिवर्धन या परिवर्तन के एक अन्तर्वित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करेगा और यदि उसने अवधि के भीतर उसकी पालना कर रखी जाती है तो रजिस्ट्रीकरण मंजूर किया जाएगा और निदेशों की पालना की किसी अपालना या अवाप्ति की दण्ड में रजिस्ट्रीकरण रद्द कर दिया जाएगा।

8. रजिस्ट्रीकरण और नवीकरण के लिए फॉर्म—(1) या ऐसे—(2) के उपर्योग के अधीन इन रहते हुए केंद्रीय सरकार, आदेश द्वारा, इस आदेश के अधीन रजिस्ट्रीकरण और रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए गोप्य फॉर्म विनिविष्ट कर सकेगी और उस गोप्य फॉर्म विनिविष्ट करेगी जिसमें फॉर्म मंदिर की जाएगी।

(2) रजिस्ट्रीकरण या उसके नवीकरण के प्रत्येक आवेदन के माये फॉर्म एक आज्ञार स्पष्ट, या ऐसा कि केंद्रीय सरकार द्वारा समय समग्र पूर्णरूपी अनुरूपी विवरण दिया जाएगा और यथास्थिति रजिस्ट्रीकरण या उसके नवीकरण के लिए किसी गोप्य विवेदक द्वारा मंदिर की जाएगी यदि रजिस्ट्रीकरण या उसका नवीकरण नहीं किया जाता है।

परन्तु यह कि प्रतिदिन एक आज्ञा लीटर दुरुध या ऐसे कोई दुरुध उत्पाद, जिसमें प्रतिवार्षीय योजना हजार टन दुरुध द्वारा विनिविष्ट होता है, के हस्तन, प्रगम्भकरण या विनिर्माण के मंदिर में रजिस्ट्रीकरण या उसके नवीकरण के लिए आवेदन के मामले में, उसके गोप्य विवेदक हजार द्वारा समय समग्र पूर्णरूपी अनुरूपी विवरण दिया जाएगा, यदि उसका नामधारी नहीं होता।

9. रजिस्ट्रीकरण का अन्तरण:—(1) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के धारक की सूची की घटना में उसका विधिक प्रतिनिधि, अपने पक्ष में रजिस्ट्रीकरण के अन्तरण के लिए रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को आवेदन कर सकेगा और रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, ऐसी जांच करने के पश्चात, जैसी वह दीक्षित ममते, यदि उसका समाधान हो जाता है कि आवेदन विधिक प्रतिनिधि है रजिस्ट्रीकरण अनुदान करेगा और रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करेगा या जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी का विधिक प्रतिनिधि होने के आवेदक के दाये के बारे में, समाधान नहीं होता है यहाँ उसके लिए जो कारण है उन्हें अविनिश्चित करके आवेदन को नामजूर करेगा।

परन्तु ऐसा योगी आवेदन तब तक सामजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदन को ऐसी नामजूरी के विनिविष्ट कारण दर्शित करने का मुक्तियुक्त ग्रथमर नहीं दिया जाता है।

परन्तु यह और कि आवेदन को नामजूर करने वाले आदेश की एक प्रति आवेदक को दी जाएगी।

(2) जहाँ रजिस्ट्रीकरण के अन्तरण के लिए उपर्योग (1) के अधीन कोई आवेदन किया गया है वहाँ रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी रजिस्ट्रीकरण के आवेदन के निष्पत्ति के लंबित रहते होने के दौरान दुरुध या दुरुध उत्पाद कारबाह करने के लिए अनुकूल दें सकेगा।

10. दुरुध या दुरुध उत्पाद का उत्पादन या हस्तन—(1) इस आवेदन के प्रारंभ पर या उसमें पर्याप्त कोई व्यक्ति, जिसे इस आदेश के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी किया गया है, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने से अधिक दुरुध या दुरुध उत्पाद की किसी वस्तु का हस्तन, उत्पाद या अवहार या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में विनिविष्ट दुरुधण दें विवेदक के आदूर में दुरुध की संग्रहण तब तक नहीं करेगा जब तक कि उसमें ऐसा करने के लिए नियंत्रक को पूर्व अनुशा प्राप्त नहीं कर रहा है।

(2) जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्रमाण के किसी धारक द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट मात्रा से अधिक दुर्घट या किसी दुर्घट उपाय के विनिर्णय, हमनें उत्पादन या अववाहक के लिए या रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र में विनिर्दिष्ट दुर्घट शेव के बाहर से दुर्घट के अंतर्गत के लिए कोई आवेदन किया गया है वहाँ नियंत्रक एवं अधिक मात्रा के लिए अववाहक विनिर्दिष्ट समय के लिए और एगा अपना यह समाधान ही जाने के पश्चात ही करेगा। रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के धारक को ऐसा करने की प्रतुक्त बना लोक हित में प्रत्यक्षत है।

(3) नियंत्रक अवधेणा, आवेदन द्वारा, जिसे विनिर्दिष्ट अधिकारी के नियंत्रण में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारकों के किसी थर्ड पा प्रवर्ती को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के अधीन अनुसार मात्रा से अधिक दुर्घट या दुर्घट उपाय की किसी वस्तु के विनिर्णय, हमनें उत्पादन या अववाहक के लिए अनुसार देखकर यहाँ लोक हित में ऐसा करना आवश्यक समझे।

(4) केंद्रीय सरकार, साधारण या विशेष प्रादेश द्वारा, उन परिस्थितियों और उप ग्रेड के बांदे में नियंत्रक को नियंत्रण देखकर जारी करने के अधीन विनियोगी का प्राप्ति करेगा।

11. दुर्घट का संग्रहण—(1) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के प्रत्येक धारक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के अधीन समन्वित दुर्घट जोड़ गे ही दुर्घट को ग्रहणहोते या डालते रहेंगे।

(2) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट दुर्घट जोड़ के बब के सीनार दुर्घट का ग्रहणहोते या डालते उपर्युक्त उत्पादक महाकारी विनियोगी से उस विनाश तक जिसी जारी नक ऐसा महाकारी संवधारणे दुर्घट का प्रदाय करने में समर्थ है।

(3) जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी किसी दुर्घट शेव से दुर्घट की कीया या किसी दुर्घट शेव के बाहर के किसी शेव में उत्तर दुर्घट की अधिकारा के कारण लोक हित में ऐसा करना आवश्यक गमताना है वहाँ वह रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र के धारक को नक्ते दिन से अधिक की ऐसी अवधि के लिए, जो वह उप नियंत्रित विनिर्दिष्ट करे, दुर्घट जोड़ के बाहर से दुर्घट के अंतर्गत या उपायन के लिए यहाँ देखकर जानेगा।

(4) उपर्युक्त (3) के अनुसार दुर्घट जोड़ के बाहर से दुर्घट का संग्रहण महाकारी दुर्घट ग्रहण या संघ के साधारण से ही परस्पर विनाश को गहरी कीमत पर ही किया जाएगा और ऐसे किसी कारार के अवाव में उस फौमन पर किया जाएगा। जिस पर गंवायित गहराई संगठन या संघ किसी भव्य महाकारी संघटन या संघ को दुर्घट का विनाश करता है।

(5) ऐसी अवधि के दौरान, जैसा कि केंद्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस प्रादेश के अधीन नियंत्रक वार्ता के अनुसार दुर्घट का डायरीय (रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में उपबंधित मात्रा को अनुसार रखते हुए भी) कोई दुर्घट उपाय बनाने के लिए नहीं किया जाएगा।

12. नियंत्रक की नियुक्ति और कानून—(1) केंद्रीय सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस प्रादेश के अधीन नियंत्रक की जिसीयों द्वारा अपनी अधीन नियंत्रक वर्तने के लिए भारत सरकार के संघर्ष संचित की योग्यता में अधिकारी को नियूनत या अधिहित कर सकती।

(2) नियंत्रक, केंद्रीय सरकार के नियंत्रण के अधीन रहते हुए, इस आवेदन के उपबंधों के साधारण कार्यान्वयन और नियंत्रण के लिए उत्तरदायी होता।

(3) नियंत्रक, इस प्रादेश के अधीन उसे प्रदल किसी भव्य विनियोगी और पैरा 13 के अधीन केंद्रीय सरकार की जिसीयों पर प्रतिकूल प्रभाव दाले जिना, इस आवेदन के उपबंधों के आवधितपत्र के लिए उत्तरदायी होता और इस आवेदन के उपबंधों को अप्रसर करने के लिए ऐसे कर्तव्य उत्तरदायी जैसे यह आवश्यक समझ।

13. रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी की नियुक्ति और कानून—(1) केंद्रीय सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा केंद्रीय या राज्य सरकार या अंतर्द्वारा दुर्घट या विनाश महात्मा के किसी प्राधिकारियम द्वारा स्थापित किसी कानूनी विनाश के उत्तर अधिकारियों को, जिसने वह दोक ममते रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के काम में नियुक्त या अधिहित और उत्तरोत्तरीयां अधिकारियों विनिर्दिष्ट कर सकती।

(2) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर कारंबाई करेगा और इस प्रावेदन के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करेगा और आवाही अधिकारियों के भीतर रजिस्ट्रीकरण के नियंत्रणों और उन्होंने के अनुबादन के लिए उपर्युक्त विवरण देखकर नियुक्त करेगा।

14. वैमानिक विवरणों और अतिरिक्त जानकारी—(1) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का प्रत्येक धारक प्रत्येक वैमानिक के प्रवसान के दोस दिन के भीतर रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को ऐसी अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रादेश में एक विवरणी, दो प्रतियों में भेजेगा।

(2) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारक से या ऐसे व्यवधिक्रम से, जो दुर्घट पादुप्र, उपाय का अववाहक या हमनें या प्रमंडलरण या, विनियोग करता है, ऐसी किसी अधिकारी की बाबत, जो वह विनिर्दिष्ट वार्ता, उसके द्वारा व्यवहृत या हस्तित या प्रसंस्कृत या विनियुक्त या विनियोग दुर्घट की मात्रा और व्यवधिकी सुनियत करने के लिए ऐसी जानकारी, जो वह प्रावश्यक समझे या ऐसी अन्य जानकारी जो इस प्रादेश के उपबंधों के कार्यान्वयन के लिए अप्रतिनिधित्व ही, सांग अकेगा।

(3) केंद्रीय सरकार या इस नियम द्वारा प्राधिकूल या अधिहित कोई अधिकारी या प्राधिकारी अपना यह समाधान करने के लिए कि इस प्रादेश के उपबंधों का यात्रन किया जा रहा है, किसी व्यक्ति में जिसके द्वारा, ऐसे किसी प्रयोगन के लिए जो इस प्रादेश या उसके अधीन रजिस्ट्रीकरण के अनुकूल नहीं है, दुर्घट या दुर्घट उपाय उपयोग किए जाने की समाझना है, ऐसी अधिकारी के भीतर और ऐसे प्रत्येक में या ऐसे अनुयायी पर, जो वह प्रावश्यक समझे या ऐसी अन्य जानकारी जो इस प्रादेश के उपबंधों के कार्यान्वयन के लिए अप्रतिनिधित्व ही, सांग अकेगा।

15. प्रवेदन, निरीक्षण और अधिग्रहण की जिस—(1) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकूल कोई अन्य अधिकारी ऐसे किसी परिसर का, जिसमें दुर्घट या किसी दुर्घट नस्तव का विनियोग या प्रमंडलरण या कारबाह किया जा रहा है, कालिक निरीक्षण यह मुनियिक्य करने के लिए कर सकता कि इस प्रादेश का या उसके अनुसरण में जारी किए गए किसी निवेश का अनुमान या उत्तरदायीओं की असली और उचित यात्री का प्रदाय किया जा रहा है और जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी ऐसा करना अनुशासन आवश्यक समझे वहाँ माधारण या विवेद आदेश द्वारा—

(क) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के किसी धारक से या किसी अस्थानिकूल से अपने निवेश का अनुमान या उत्तरदायी या उसके पास हो, ऐसे कोई प्रमेश कर सकता है?

(ख) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के किसी धारक या विनियोग से अधिग्रहण की जिसका व्यवहार या विनियोग या प्रमंडलरण या हमनें करने वाले हिस्से अन्य व्यक्ति से कोई पुरावका, इन्वेस्ट, या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र, जो उसे जारी किया गया था वहाँ देने की अपेक्षा कर सकता है?

(ग) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के किसी धारक या दुर्घट या विनियोग से अधिग्रहण की जिसका व्यवहार या विनियोग या प्रमंडलरण या हमनें करने वाले हिस्से अन्य व्यक्ति से कोई पुरावका, इन्वेस्ट, या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र, जो उसे जारी किया गया था वहाँ देने की अपेक्षा कर सकता है?

(प) किसी किसी पुस्तिका या अन्य दस्तावेज का, जो ऐसे व्यक्ति के पास या नियंत्रण में हो, निरीक्षण कर सकेगा या निरीक्षण करा सकेगा।

(इ.) किसी स्टाक या ऐसे किसी यात्रा, अवैदान या आधान का निरीक्षण कर सकेगा या निरीक्षण करा सकेगा यदि उसके पास यह विष्वास करने का कारण है कि उसके गामी रजिस्ट्रीकरण के नियंत्रणों और उन्हें के या इस आदेश के आवंशिकों के उल्लंघन में है;

(ब) किसी परियोग में प्रवेश और उसका निरीक्षण कर सकेगा और ऐसी किसी वस्तु का अधिग्रहण कर सकेगा जिस यह आदान नाम होता है और जिसके बारे में उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश या उल्लंघन किया गया है या यह आदान या आदेश जाते वाला है और इस प्रकार अधिग्रहण वृत्त या दुर्घट उत्पाद से संबंधित स्टाकों का न्यायालय में पेश किए जाना सुनिश्चित करने के लिए या ऐसे पेश किए जाने के लिए उन्हें को दारान उसकी सुरक्षा प्रभिकारा के लिए गमी सावधक आदेश कर सकेगा या किया जाना प्राप्तिकृत कर सकेगा।

(२) उप पैरा (१) में विविध प्राधिकारी या अधिकारी, --

(क) विविध रसीद देने पर, ऐसे दुर्घट या दुर्घट उत्पाद, जिसके संबंध में उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश के उल्लंघन किया गया है, के प्रत्यक्ष या प्रसंस्करण या अवैदान प्रयत्न विनियोग में संबंधित कच्ची गामी, दस्तावेजों, नियमों व विधियों या अन्य सुरक्षन माध्य को निकुद्ध कर सकेगा;

(ख) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के दारक ने, उन्हें रसीद देने पर, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के दारक के परिमितों से ऐसे दुर्घट या दुर्घट उत्पाद, जिसके मंदान में उसके पास यह विष्वास करने का कारण है कि इस आदेश के उल्लंघन दुश्या है, के नपूर या ऐसे दुर्घट या दुर्घट उत्पाद की सैयांगी से प्रकृति किसी मंचटक का संग्रहण कर सकेगा;

(ग) मंदाय पर, किसी व्यक्ति से विक्रय किए गए या विक्रय किए जाने के लिए आवश्यक अधिकारी या दावात को भेजे जाने विधा विवरान के लिए रखे गए दुर्घट या दुर्घट उत्पाद के नगूनों का संग्रह कर सकेगा और ऐसे नगूनों का पैरा २१ के उप पैरा (६) के अधीन विनियिट मान्यतापाल प्रयोगालाला में विप्रलेपण करा सकेगा।

(३) बंड प्रक्रिया महिना, 1973 (1974 का १) की द्वारा 100 के उपर्युक्त, या वस्त्रशाला, हम आदेश के अधीन प्रधेक समाजी को लागू होंगे।

16. रजिस्ट्रीकरण का नियंत्रण या रक्करण:—(१) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी इस आदेश के अधीन जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को नियंत्रित या रद कर सकेगा, यदि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का दारक, —

(क) रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करते समय जानबूझ कर गए गमी गामी होता है,

(ख) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के नियंत्रणों या जारी में से किसी का अनुपालन करने में असफल रहता है या उसके उल्लंघन में काढ़े करता है;

(ग) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी द्वारा या जारी, इस आदेश के उपर्युक्तों के ग्रन्तमान में असफल रहता है, वहा

किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा जारी किए गए नियंत्रण से किसी का अनुपालन करने में असफल रहता है;

(घ) ऐसे व्यक्ति के उपर्युक्तों के अधीन पथा प्राधिकारी अथवा प्रधेक की जाने वाली किसी अन्कारी या विधायी के द्वारा में असफल रहता है;

(ङ) पैरा ११ के अधीन यथा अन्यथा ग्रन्तमान के लियाँ, --

(i) दुर्घट विधवा दुर्घट उत्पाद की किसी भव का द्वारा जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में उस मध्य के संबंध में विविषित संसारे में अधिक संग्रह करता है, उसे उपाल जाता है या उसका उपालन करता है;

(ii) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में विनियिट दुर्घटशाला से बाहर के किसी द्वेष में दुर्घट का संग्रह करता है; और

(३) किसी अन्य संसारि से इस आदेश के उपर्युक्तों में किसी का उल्लंघन करता है।

(४) उप पैरा (१) के संबंध विविषितों का प्रयोग करते समय रजिस्ट्रीकरण, प्राधिकारी प्रधेक: नियंत्रण का कोई आदेश जारी करने के लिए और तत्परता यथा अविकलन या अपकलन जारी रहती है तो रक्करण का आदेश जारी करने के लिए स्वतंत्र होगा।

(५) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी उप पैरा (१) वा उप पैरा (२) के ग्रन्तमान में कोई रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र रद किए जाने के पूर्व प्रमाणपत्र के दारक को हेतुक दर्शित करने का अवसर देता और ऐसे प्रधेक मामले में जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र रद किया जाता है, कारबाह के प्रसंस्करण के लिए तीन मास की और अवधि प्रमाणपत्र के दारक को वी जारी रखे रह अवधि के दौरान यह केवल ऐसे विस्तार तक का ग्राह कर सकेगा जो नियमितों का प्रसंस्करण करने के लिए आवश्यक हो।

17. प्रधेकों का अनुरक्षण:—रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, साकारण या विशेष आदेश द्वारा, दुर्घट या किसी दुर्घट उत्पाद के विनियोग या अन्यांसण या प्रधेक कारबाह में जो हुए किसी व्यक्ति को प्रधेक कारबाह के ऐसे अधिकारी द्वारा देखने के लिए और कारबाह से संबंधित ऐसी विवरणियाँ उसको दर्शाएं करने के लिए, जो इस आदेश के उपर्युक्तों के संबंध विनियिट की गई है या की जाएं नियंत्रण देसकेगा।

18. नियंत्रक को प्रधान:—(१) किसी रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी या उसके द्वारा प्राप्तिकृत किसी अन्य प्राधिकारी के दारेंग में अधिक कोई व्यक्ति, आदेश के तीस दिन के भीतर नियंत्रक को अपील कर सकता है जो उस व्यक्ति को मुने जाने का पुकार्युक्त व्यवसर देने के पश्चात उस न ऐसे आदेश प्राप्ति कर सकेगा, जो वह दीक्षा समझे।

परन्तु नियंत्रक नीस दिन की उक्त कालावधि की समाप्ति के पश्चात यदि उसका यह समावान हो जाता है कि अपीलार्थी को समय के भीतर अपील कालावधि में पर्याप्त कारण में रोका गया था तो, प्रधान प्रह्लग कर सकता।

(२) उप पैरा (१) के अधीन प्रधेक अपील के साथ केवल पांच में दोनों दो प्रधेक या कम्बोड नरकार ग्राम-पर्याप्त पर ग्रन्तमान कीमि होगी।

१९. निरेज जारी करने के लिए भवित्व की उपेक्षा —

(१) इस आदेश में अन्वयित किसी बात के होते हुए भी केन्द्रीय सरकार को इस आदेश में चित्त मामलों में तो किसी के संबंध में या उसमें सम्बंधित किसी मामले के संबंध में शोई को या दिवंबक को या किसी अधिकारी को कोई निरेज जारी करने की गविन शोगी और ऐसा निरेज वहाँ विधिमत्त्व ता में किए गए तिथि अत्य आवेदन या निरेज पर अधिगति होगा।

(२) इस आदेश में प्रतिविट किसी बात के होते हुए भी केन्द्रीय सरकार को इस आदेश में चित्त विधियों में तो किसी के संबंध में कोई निरेज, जिसके प्रत्यार्पण दुश्य या दुष्प्र उत्पाद के स्वरूप अन्वयितक मंत्रालय पर किसी अधिकारी या विधिमत्त्व में संविधित कोई निरेज भी ही जारी नहीं की जाना देता।

२०. दृष्टि उत्पाद के उत्पादन पर शास्त्रार्थी निर्वन्धन —

(१) नियंत्रक, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि किसी क्षेत्र में द्रव तुरथ का प्रदाय बनाए रखने या उसमें वृद्धि करने के लिए ऐसा करना आवश्यक है तो वह, गणपत्र में प्रकाशित आवेदन द्वारा, निरेज कर सकेगा कि उस आदेश में विधित अवधि के लिए द्रव तुरथ का वितरण या किसी तुरथ उत्पाद का उसके उत्पादकों या विधिमत्त्वाओं के किसी वर्ग द्वारा उत्पादन एसी रोति में निर्वन्धन होगा जो इस आदेश में प्रतिविट की जाए, परन्तु यह कि कोई ऐसा आवेदन एक समय पर नहीं दिया जाए अधिक या अवधि के लिए प्रदूषन नहीं होगा।

(२) उपर्युक्त (१) में निर्विट निर्वन्धन वर्गों में, नियंत्रक नियन्त्रित वार्ताओं का उत्पाद रखेगा अर्थात् —

(क) उम क्षेत्र में द्रव तुरथ की उत्पादन्ता,

(ख) उम क्षेत्र में साधारण जनता द्वारा द्रव तुरथ के लिए भोग,

(ग) द्रव तुरथ में द्वेरी संघर्षों द्वारा पुनर्मिश्रण के लिए भवनियों तुरथ जूँ और प्रेत मनवाल की उत्पादन्ता,

(घ) नियंत्रित किए जाने के लिए प्रस्तावित द्रव तुरथ और संविधित तुरथ उत्पाद का पर्याप्त भवन्त्र,

(ङ) द्रव तुरथ का प्रदाय जनता रखने के लिए सम्बंधित अन्य वार्ता।

२१. उम क्षेत्र में भवनियों तुरथ पूर्ण और दुरुथ वसा पर उत्पादन —

(१) जहाँ नियंत्रक का समाधान हो जाता है कि किसी क्षेत्र यी माध्यार्थ जनता के लिए द्रव तुरथ का प्रदाय मुनिश्वित करने के प्रयोजन के लिए ऐसा करना आवश्यक है, वही वह, आदेश द्वारा भवनियों तुरथ जूँ या दुरुथ वसा के उत्पादकों या विधिमत्त्वाओं के किसी वर्ग या प्रवृत्ति को उन सभी वस्तुओं या उसमें से किसी भी, उसके कूल उत्पादन के लिए उसके द्वारा अधिकृत किसी प्राधिकारी को उत्पादन करने के लिए निरेज नहीं करेगा।

(२) उपर्युक्त (१) में निर्विट प्रवेषक उत्पादक और विधिमत्त्वाओं को, जिससे उसमें विधित वस्तु, नियंत्रक के नियंत्रण के अनुसरण में उत्पादन कराई गई है, उसके उम सूच्य का, जो नियंत्रक द्वारा अवधारित किया जाए, संदर्भ किया जाएगा।

२२. केन्द्रीय सरकार को प्रभील — (१) इस आवेदन के अन्तर्गत विधिमत्तक द्वारा जारी किए गए किसी आवेदन या निरेज के विलम्ब कोई भी इस आवेदन के जारी किए जाने के लिए विधिमत्तक को जारी और केन्द्रीय सरकार को सूने जाने का अवश्य देने के पश्चात् उम पर ऐसा आदेश पारित करेगी जो वह ठीक समझे:

परन्तु केन्द्रीय सरकार वित्तिविष्ट संसदि की समानित के पश्चात कोई प्रधीन प्रहृण कर गयी यदि उसका वह समाधान हो जाता है कि अर्पी-लार्पी को वित्तिविष्ट समय मीमा के भीतर भील काल मरने से परापर कागण से निवारित किया गया था।

(२) उपर्युक्त (१) के अर्पी-लार्पी के साथ केवल एक हजार रुपय भी या जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर पुनरीक्षित किया जाए, कीम होगी।

२३. नमूने लेने के लिए विशेषज्ञ करने के लिए और प्रतिवंत्र आदेश जारी करने के लिए प्रक्रिया —

(१) दूरा १५ के उपर्युक्त (२) के उपबन्धों के अन्तीन रहते हुए, रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत अध्यवा अभिहित अधिकारी या प्राधिकारी, जनता द्वारा मम्प, तीव्र वर्णित प्रक्रिया का अनु-भरण करेगा।

(क) नमूना ऐसी रीति से किया जाएगा जो नमूने का समांगी और प्रतिनिधि बनाए जिसमें कि विशेषज्ञ वस्तु की प्रहृति और अन्वयन का विश्वमनीय आकृति दे सके।

परन्तु यह कि जहाँ दुरुथ या किसी दुरुथ उत्पाद को समरूप लेवल प्रोत्तान रखने वाले पुदावेद आश्रामों में जाता गया है उनका विक्रय अध्यवा विन्दन के लिए संचार किया गया है, वहाँ उसे आश्रामों में से एक या आधिक की अन्वेषन, जो उसके विशेषज्ञ के लिए अधिकृत विशेषज्ञ के लिए एवं अधिकृत हो, उस तर्जने का भाग नमूना जाएगी।

परन्तु यह कि जनता द्वारा मम्प उम अधिकृत की जिसमें नमूना दिया जाता है, उसको इस प्रकार विशेषज्ञ किए जाने के आधार की बही पर विशेषज्ञ भूत्ता दी जाएगी।

(ख) नमूने को तत्काल तीन वरावर भागों में प्रथक कर दिया जाएगा और प्रथेक भाग का प्रथक आधार में रखा जाएगा, जिसका विश्वासी जाएगा और पुराने उपर्युक्त किया जाएगा।

(ग) नमूने के भागों में भी एक को मात्यनाप्राप्त प्रयोगशाला को विशेषज्ञ के लिए भेजा जाएगा और ऐसे दो भागों को नियंत्रक को अध्यवा उसके द्वारा प्राधिकृत किसी संस्था की प्रधिकृता के लिए भाग जाएगा जिसमें कि नमूने का पुनः पराकरण अधिकृत होने की दृष्टि में उपयोग किया जा रहे।

(२) वह प्रयोगशाला जिसको नमूना में जाना है नमूने के विशेषज्ञ के परिणामों की रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी का विकल्पक अध्यवा के लिए नियंत्रक द्वारा सम्बद्ध रूप में प्राधिकृत अस्ती विशेषज्ञ द्वारा विशेषज्ञ के लिए विज्ञाप्त और विश्वासी मानक का समाधान न करने वाले नमूने के बारे में जानकारी की प्राप्ति के पन्द्रह दिन के भीतर किए गए किसी ऐसे प्रवरोध की प्राप्ति पर रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी उसे वृस्ती प्रयोगशाला को भेजगा जिसकी गिपोर्ट उपर्युक्त (१) में धर्मित पहली प्रयोगशाला द्वारा दी गई रिपोर्ट को प्रमिलित करेगी और वह उसमें कवित नमूनों का अंतिम और निष्पायक साथ्य होगी।

(३) जहाँ किसी विक्रिय के विस्तृत उसमें लिए गए नमूने के आधार पर, जो मात्यनाप्राप्त प्रयोगशाला द्वारा विशेषज्ञ पर अवधिकृत पाया गया है, कोई कार्रवाई अनुप्राप्त की जाती है तो उसको यह अधिकार द्वारा कि वह नमूने का दूसरा भाग "उम प्रयोजन के लिए नियंत्रक द्वारा सम्बद्ध रूप में प्राधिकृत अस्ती विशेषज्ञ द्वारा विशेषज्ञ के लिए विज्ञाप्त और विश्वासी मानक का समाधान न करने वाले नमूने के बारे में जानकारी की प्राप्ति के पन्द्रह दिन के भीतर किए गए किसी ऐसे प्रवरोध की प्राप्ति पर रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी उसे वृस्ती प्रयोगशाला को भेजगा जिसकी गिपोर्ट उपर्युक्त (१) में धर्मित पहली प्रयोगशाला द्वारा दी गई रिपोर्ट को प्रमिलित करेगी और वह उसमें कवित नमूनों का अंतिम और निष्पायक साथ्य होगी।

[भा.ग II चूंड 3(i)]

(च) निर्जनित दूध (स्ट्रीकरण) दूध और गिरु उधमहर के पैकेजों पर विनिर्माण या पैकिंग की तरीख ।

(4) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का धारक प्रपते दूवर, प्रसंस्कृत या विनिर्मित या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारक किसी ग्रन्थ व्यक्ति से दूध या दुध उत्पादों के प्राप्तावा ग्रन्थ किसी दूध या दुध उत्पादों को पैक नहीं करेगा ।

(5) उप पैरा (1) में अन्तिमिति उपबन्धों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बता रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, आदेश दूवर, प्रसंस्कृत या विनिर्मित या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारक किसी ग्रन्थ व्यक्ति से दूध या दुध उत्पादों के प्राप्तावा ग्रन्थ किसी दूध या दुध उत्पादों को पैक नहीं करेगा ।

(6) इस पैरा में अन्तिमिति फौरी बात भारत में ग्रान्ति किए गए दूध या दुध उत्पादों पर लागू नहीं होगी ।

27. निदेशों और आदेशों का अनुपालन

1 नियंत्रक इस आदेश के उपबन्धों से संगत ऐसे नियंत्रण जारी कर सकेगा जो इस आदेश के उपबन्धों को क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक हों ।

2. ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जिसे इस आदेश के किसी उपबन्ध के ग्रन्तिसंख्या में कोई निदेश या अनुरेख दिया जाता है या आदेश जारी किया जाता है, ऐसे निदेश या अनुरेख या आदेश का पालन करने के लिए आवश्यक होगा और उसका पालन करने में उस व्यक्ति से होने वाली असफलता को मुमंगत उपबन्धों का उल्लंघन माना जायेगा ।

3. प्रत्येक व्यक्ति इस आदेश के उपबन्धों के ग्रन्तिसंख्या में मार्गी गई किसी भी जानकारी को देने के लिए आवश्यक होगा और व्यतिक्रम करने पर यह माना जाएगा कि उसने आदेश के उपबन्धों का उल्लंघन किया है ।

4. कोई भी व्यक्ति इस आदेश के किसी उपबन्ध से बचने की वृद्धि से किसी लेखा-भूमि, दस्तावेज या ग्रन्थ किसी साध्य को रख नहीं, विकल या विस्तृप्ति नहीं करेगा ।

28. अभियोजन :

कोई भी व्यक्ति जो,

(क) इस आदेश के अधीन अपेक्षित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को प्राप्त किये बिना दूध या किसी दुध उत्पाद का व्यापार, प्रसंस्करण, या नियंत्रण या विनिर्माण करेगा, या

(ख) आरी किए गए प्रमाणपत्र का निलम्बन या प्रतिसंहरण या समाप्त हो जाने पर भी दूध या दुध उत्पादों के विनिर्माण या प्रसंस्करण या व्यापार या पैकिंग करना जारी रखेगा, या

(ग) इस आदेश के उपबन्धों या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के नियंत्रणों और जातों के उल्लंघन में दूध या दुध उत्पादों का व्यापार, प्रसंस्करण, विनिर्माण, नियंत्रण या पैकिंग करेगा, या

(घ) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में किसी मद के लिए विनिर्दिष्ट मात्रा से अधिक उपत्ति उत्पादन करेगा, या

(इ) धारा 5 के उप पैरा (1) के उपबन्धों के उल्लंघन में कोई विनिर्माण सुविधा सूचित करेगा, तो वह अपने प्रमाणपत्र के नियंत्रण, प्रतिमंहरण या रद्दकरण के अलावा इस आदेश के उपबन्धों के उल्लंघन के लिए अभियोजित किए जाने का होगा ।

29. अभियोजन के लिए पूर्व मंजूरी

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारक या ग्रन्थ किसी व्यक्ति द्वारा इस आदेश के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन किये जाने की दशा में रजिस्ट्रीकरण विकारी अभियोजन शुरू करने से पहले नियंत्रक को पूर्व मंजूरी प्राप्त करेगा और ऐसे प्रत्येक मामले में ऐसी मंजूरी के बल तभी दी जाएगी जब नियंत्रक का समाधान हो जाता है कि, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारक या किसी ग्रन्थ व्यक्ति के विष्वद्ध प्रथमदृष्टगा मामला बनता है ।

30. मास्ति:—ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो इस आदेश के किन्हीं उपबन्धों का या रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के किन्हीं नियंत्रणों और जातों का उल्लंघन करेगा या ऐसा समझा जाता है कि उसने उल्लंघन किया है, या उनमें दिए गए किसी नियंत्रण या आदेश या किए गए ग्रन्ती-रोध, या विप. गए अनुदेश को पूरा करने में असफल रहेगा तो वह आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 (1955 का 10) की धारा 7 के अधीन वण्डनीय होगा ।

31. संक्रमणकालीन और ग्रन्थ उपबन्ध

(1) इस आदेश के प्रारम्भ होने की तारीख से और बोर्ड का गठन होने तक और ऐसे किसी समय पर भी जब तक बोर्ड अस्तित्व में नहीं है या नियंत्रक ऐसी स्थिति में नहीं है, भारत सरकार के कृपि मंत्रालय में प्रयोगालन और ऐसी विभाग का सचिव इस आदेश के अधीन बोर्ड की सभी प्रक्रियाओं का प्रयोग करने और उसके सभी कृत्यों का निवृहन करने के लिए सक्षम होगा और जब तक इस आदेश के अनुमान नियंत्रक की नियुक्ति नहीं हो जाती है ऐसे किसी अधिकारी को, जो भारत सरकार के कृपि मंत्रालय में संयुक्त सचिव की पंक्ति से नामे का न हो, नियंत्रक के कृत्यों का निवृहन करने के लिए प्राप्तिकृत करने के लिए सक्षम होगा ।

(2) इस आदेश के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारियों की नियंत्रित के लिए इनकी की संक्रमणकालीन अवधि के लिए नियंत्रक की शक्तियों का प्रयोग करने वाला व्यक्ति रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कृत्यों का निवृहन करने के लिए एक या अधिक प्राधिकारियों को प्राप्तिकृत करने या किसी प्राधिकरण को प्रतिनिवृत्त करने और उनमें से प्रत्येक के संबंध में अधिकारियों का अवधारण करने के लिए सक्षम होगा ।

32. निरसन और व्यावृत्ति

(1) इस आदेश के उपबन्ध और उसके अधीन जारी किए गए नियंत्रण आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 के अधीन किए गए किसी आदेश को, जहां तक उसका संबंध दूध और दुध उत्पादों से है, अधिकांश कर देंगे ।

(2) ऐसा अधिकरण होते हुए भी उन आदेशों के अधीन की गई या शुरू की गई कोई बात या कार्रवाई इस आदेश के तत्समान उपबन्धों के अधीन की गई या शुरू की गई समझी जाएगी ।

[फा. सं. 4-16/91-डी.पी]

पी० जी० मरलीधरन, सचिव

पहली अनुसूची

रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

[पैरा 5 का उप पैरा (1) देखिये]

भाग I

1. आवेदक का नाम और पता
2. प्रबंध निवेशक, निवेशक, स्वत्वधारी, भागीदार, स्वामी आदि के नाम
3. आवेदक के प्रबंध स्वामित्वाधीन कारबार/डेरी संयंत्र और सभी स्थापत्तों और परिसर का पता
4. दूरभाष संख्या/तार/टेलेक्स
5. (क) प्रति वर्ष मात्रा सहित दूध और दुग्धोत्पाद का विवरण जिसकी उठाई-धराई/नियन्त्रण/प्रसंस्करण/विनिर्माण के लिए आवेदक के पास उपस्कर हैं (सम्पूर्ण विवरण दें)
 - (ख) यदि पहले से ही दूध या दुग्धोत्पादों की उठाई-धराई/प्रसंस्करण/नियन्त्रण या विनिर्माण कर रहे हैं, तो गत तीन वर्षों में प्रत्येक उत्पाद की वार्षिक मात्रा (प्रत्येक वर्ष के लिए अलग से विवरण दें)
 - (ग) उठाई-धराई, प्रसंस्करण या विनिर्माण के लिए प्रस्तावित दूध या दुग्धोत्पाद की प्रत्येक मद की मात्रा।
6. द्रुतशीतन/संग्रहण केन्द्रों सहित शाखाएं।
7. डेरी संयंत्र की संस्थापित प्रतिदिन क्षमता।
8. दूध और प्रत्येक दुग्धोत्पादों की कुल प्रमात्रा जिसकी पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान उठाई-धराई की गई या जिसका प्रसंस्करण या नियन्त्रण किया गया।
9. यदि, उपयोग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अधीन लाइसेंस प्राप्त करने या रजिस्ट्रीकरण के पश्चात स्थापित किया गया है तो कृपया सभी शर्तों सहित लाइसेंस या रजिस्ट्रीकरण की एक फोटोकापी प्रस्तुत करें।
10. भौतिक सीमाओं को दर्शने वाले, प्रमाणीकृत नक्शे के साथ मिल्क शेड क्षेत्र (वर्ग किलोमीटर में)
11. दूध की औसत मात्रा जिसका प्रतिदिन उपयोग किया गया या जिसकी उठाई-धराई की गई
 - (क) कमी के मौसम में
 - (ख) प्रचुरता के मौसम में

भाग II

मिल्क शेड का विस्तारपूर्वक विवरण

1. मिल्क शेड का भौगोलिक क्षेत्र
2. जिलों और प्रत्येक जिले में गांवों की संख्या
3. मिल्क शेड में जिलावार नस्लवार दुधाळू गायों, भैंसों और गोपर्ड बकरियों की संख्या
4. तालुका/तहसील की सीमाओं और प्रमुख सड़क/रेल मार्गों आदि को दर्शने वाला जिले का नक्शा।
5. विद्यमान दूध उपापन, प्रसंस्करण और विपणन मुविधाओं संबंधी संक्षिप्त विवरण।
6. दुग्ध उत्पादकों की सहकारी समितियों/संघ आदि मिल्क शेड में कुल और संक्षिप्त।
7. मिल्क शेड में सार्वजनिक/प्राइवेट डेरी संयंत्रों की संख्या
8. कोई अन्य विकासात्मक कार्यक्रम।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि दूध और दुग्धोत्पाद आदेश, 1992 के सभी उपबंधों का पालन करूँगा/करेंगे।
विहित रजिस्ट्रीकरण शुल्क इसके साथ भेजा जा रहा है।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि इसमें दिए गए तथ्य और भाग-I और II में दी गई विपिण्डियां सत्य और सही हैं।

स्थान :

तारीख

आवेदक/आवेदकों के हस्ताक्षर

तीसरी अनुसूची

रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र

[पैरा 5 का उप-पैरा (7) देखिए]

रजिस्ट्रीकरण संख्या :

1. प्रमाणपत्र धारक का नाम और पता :
2. विनिर्माण आदि के लिए प्राधिकृत परिसर का पता
3. परिसर में पश्चातवर्ती परिवर्तन, यदि कोई हो
4. दूध उपायन के लिए प्रधालन क्षेत्र : (1) गांव का नाम (मिल्कशेड का नवकाश) (2) वर्ग किलोमीटर
5. दूध और दुग्धोत्पादों का विषयन करने के लिए प्रधालन क्षेत्र (1) कस्बों/नगर/स्थान जहां उत्पादों का विषयन किया जाना।
6. दनिक/वार्षिक उत्पादन क्षमता
 - (क) दूध
 - (ख) दुग्धोत्पाद (उत्पाद की किसी बताएं और अलग से ब्यौरा दें)
7. क्षमता संनिर्धारण संक्षिप्त संस्थापित किए जाने वाले उपस्कर के विनिर्देश

यह रजिस्ट्रीकरण दूध और दुग्धोत्पाद आदेश, 1992 के उपबंधों के अधीन जारी किया गया और रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र धारक नीचे विनिर्दिष्ट शर्तों का भी अनुपालन करेगा।

शर्तें:—

रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र का धारक :

1. दूध और दुग्ध आदेश, 1992 के उपबंधों और उनके अधीन जारी किए गए नियमों या ग्रन्तियों का अनुपालन करेगा।
2. अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी क्रियान्वयन प्राधिकारियों और उनके कामिकों को आवश्यकता पड़ने पर प्रवेश करने देगा।
3. मिल्क शेड से दूध के संग्रहण को निर्बन्धित करेगा और इसके बाहर से, इस आदेश के अधीन अनुशासन को छोड़कर दूध संग्रहण नहीं करेगा।
4. इस रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में उपर्युक्त उत्पादन की मात्रा से अधिक उत्पादन नहीं करेगा।
5. उपरोक्त आदेश में अपेक्षित कानूनिक विवरणियां भेजेगा।
6. कोई अन्य शर्त जो केन्द्रीय सरकार अधिरोपित करे।

स्थान :

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

तारीख :

तीसरी अनुसूची

रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए आवेदन

[पैरा 6 का उप पैरा (3) देखिए]

1. आवेदक का नाम और पता, विद्यमान रजिस्ट्रीकरण की विशिष्टियों सहित।
2. प्रबंध निदेशक, नियंत्रक, स्वतंत्रधारी, भागीधार, स्वामी आदि के नाम
3. आवेदक के प्रबंध स्वामित्वाधीन कारबाह/हेरी संयंत्र और सभी स्थापनों और परिसर का पता
4. दूरभाष संब्योग/तार/टेलेक्स
5. (क) प्रति वष मात्रा महिने दूध और दुग्धोत्पादन का विवरण जिसकी उठाई-धराई प्रसस्करण/नियंत्रण या विनिर्माण के लिए आवेदक के पास उपस्कर हैं (संपूर्ण विवरण दें)

वस्तुओं के संरक्षण के कारण

तिमाही के श्रीराम योग (मीटरी टम)

उपयोग में लाई गई वस्तुएं	ममूर्ण दुर्घट चूर्ण	मखनिया दुर्घट चूर्ण	बटर आयल	सफेद मक्खन
विक्रय के लिए उपयोगित दुर्घ				
मध्य दुर्घ उत्पाद				
निमित उत्पाद				
उत्पाद	उत्पादित मात्रा (मीटरी टम)	वसा	ओमत	एस. एन. एफ.
1. सफेद मक्खन				
2. टेबल बटर				
3. धी				
4. मखनिया दुर्घ चूर्ण				
5. संतूष्टि दुर्घ चूर्ण				
6. शिशु आहार				
7. मालट्युक्ट आहार				
8. चाकलेट उत्पाद				
9. चीज़				
10. दूध या दूधशोषित युक्त अन्य वस्तु				
11. प्राइसक्रीम				
12. योगदं				

सीधा शहरी पैकिंग में बेचा गया (विनिविष्ट दृश्य (मास) करें)	तिमाही के द्वीरान कुल मात्रा ('000 ली.)	वीमत वसा / ठोस	उपयोगिता कीमत (₹./लीटर)	मध्य डेयरियों को भेजा गया दूध (डेयरी का पदार्थ जिसमें वसा न हो)	तिमाही के द्वीरान कुल मात्रा ('000 लीटर)	वीमत वसा / ठोस	ओमत (रुपये/लीटर) पदार्थ जिसमें वसा न हो
--	---	----------------	-------------------------	---	--	----------------	---

1.

2.

3.

उत्पाद विपणन

उत्पाद	आरम्भिक स्टाक	तिमाही के द्वीरान वेची गई मात्रा (मीटरी टम)	बंद स्टाक	लेखरी पर ओमत दिक्षण (रुपये/लीटर)
1. सफेद मक्खन				
2. टेबल मक्खन				
3. धी				
4. मखनिया दुर्घ चूर्ण				
5. संतूष्टि दुर्घ चूर्ण				
6. शिशु आहार				
7. मालट्युक्ट आहार				
8. चीज़				
9. चाकलेट उत्पाद				
10. दूध या दूधशोषित युक्त अन्य वस्तु				
11. प्राइसक्रीम				
12. योगदं				

पांचवी अनुसूची

दूध और दुध उत्पादों की उठाई-धराई, प्रसंस्करण, नियंत्रण या विनिर्माण के लिए स्वच्छता संबंधी अपेक्षाएं
(पैरा 25 देखिए)

दूध और/या दुध उत्पाद के उठाई-धराई, प्रसंस्करण, विनिर्माण या नियंत्रण के प्रयोजन के लिए स्वच्छता संबंधी अपेक्षाएं निम्नलिखित होंगी :—

- परिसर साफ सुथरा हो, उसमें प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था हो तथा हवादार हो। उसमें समुचित रूप से सफेदी व रंगरोगन किया हुआ हो। उसमें विसंक्रमण और निर्गन्धोकरण व्यवस्था हो। इसके चारों ओर खुला स्थान होना चाहिए।
- इमारत स्थायी स्वरूप की हो तथा ईंट तथा सीमेंट से अथवा अन्य किसी ऐसे पदार्थ से निर्मित हो जिससे स्वच्छता सुनिश्चित की जा सके। दरवाजों में हाइड्रोलिक डोर क्लोजर लगे हों ताकि वे स्वतः बंद हो जाएं और कीटों, मक्खियों आदि के परिसर में प्रवेश को रोक सकें या इस प्रयोजन के लिए तापस्थायी एंग्रेज कार्टन का प्रयोग किया जाए। छत स्थायी स्वरूप की हो। फर्श सीमेंट टाइल या पत्थर का बना होना चाहिए जो अम्ल अथवा क्षार के प्रभाव को सहन कर सके। दिवारों पर फर्श से कम से कम डेंड मीटर ऊंचाई तक टाइलें लगी हों ताकि वे पानी से गीली न हो सकें। संचातन और प्रकाश व्यवस्था कारखाना अधिनियम, 1948 द्वारा या उसके अधीन किए गए उपबंधों के अनुसार हों।
- स्थापन का अनुरक्षण इस प्रकार किया जाए कि स्वास्थ्यकर उत्पादन अनुजात किया जा सके और दूध या दुध उत्पादों की उठाई-धराई, प्रसंस्करण या विनिर्माण से संबंधित सभी सक्रियाएं कड़ाई से ध्यानपूर्वक तत्समय प्रवृत्त कारखाना अधिनियम, 1948 द्वारा या उसके अधीन अधिकथित स्वच्छता की शर्तों के अनुरूप हों। परिसर का उपयोग आवासिक परिसर के रूप में नहीं किया जाए।
- उसमें जल प्रदाय पर्याप्त मात्रा में होना चाहिए। पानी गुद्ध और पीने योग्य तथा विकृतिजन्य सूक्ष्मजीवरहित होना चाहिए। पानी को किसी भान्यताप्राप्त प्रयोगशाला द्वारा रसायन तथा जीवाणुओं की उपस्थिति का पता लगाने के लिए समय-समय पर जांच कराई जाए तथा उससे इस आशय का प्रमाणपत्र प्राप्त किया जाएकि पानी मानव उपयोग के योग्य है। लाइसेंसधारी इस प्रकार की जांच का व्यय स्वयं बहन करेगा। लाइसेंसधारी उस दूध की जिसकी उठाई-धराई की जानी हो, कुल मात्रा (अर्थात् डेरी की निर्धारित क्षमता) के कम से कम 3.5 से 4 गुना पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा जिसमें सांध्रण संयंत्र के माध्यम से दूध में से प्राप्त होने वाले पानी की मात्रा, यदि कोई हो, भी सम्मिलित है।
- इसमें जल निकासी की दक्ष प्रणाली होगी और व्ययन से पूर्व कचरे और बहिःस्त्राव के अभिक्रियान्वयन की व्यवस्था भी होनी चाहिए। ऐसी सुविधाएं स्वातीत जल तथा जल निकास नियंत्रण प्राधिकरण तथा संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डी द्वारा अधिकथित अपेक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए।
- जब भी पांच या इससे अधिक महिला या पुरुष कर्मचारियों को नियोजित किया जाए तो स्त्री और पुरुष प्रत्येक के लिए निम्नानुसार पर्याप्त संदर्भ में शौचालय की व्यवस्था की जाए (आई एस. 1172-1971)

कार्मिकों की सं.

शौचालयों की सं.

वाश वैसिनों
की संख्यामूलालयों
(यूरीनल्स)
की संख्या

25 तक	1	1	2
25—49	2	2	3
50—100	3	3	4
100 और इससे अधिक	5	5	7

यह सुनिश्चित किया जाए कि अपना काम मुर्ल करने से पहले कर्मचारी, साथून अथवा डिटर्जेंट से अपने हाथों को धोयें।

- संक्रामक या सांसारिक रोग से ग्रस्त किसी भी व्यक्ति को परिसर में कार्य करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी। छह महीने में एक बार स्टाफ की स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के लिए प्रबंध किए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे संक्रामक, सांसारिक और किसी अन्य बीमारी से मुक्त हैं। किसी चिकित्सा व्यवसायी द्वारा हस्ताक्षरित इस प्रकार की गई परीक्षा का

अभिलेख निरीक्षण के लिए रखा जाएगा । संयंत्र में कार्य कर रहे स्टाफ को प्रवेशागामी समूह (एंटरिक ग्रुप्स) के रोगों के प्रतिरोधी टीके लागये जाएंगे और वर्ष में एक बार चेचक (समाल पॉक्स) के प्रतिरोधी टीके लगाए जाएंगे और निरीक्षण के लिए इनका एक प्रमाणपत्र रखा जाएगा ।

महामारी (एपीडेमिक) की दशा में सभी श्रमियों को टीके लगाए जाने चाहिए, किसी भी उस कर्मचारी को परिसर में कार्य करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी जिसके हाथ अथवा चेहरे पर जल्द हों, जो चमड़ी के संक्रमण अथवा क्लीनीकली मान्य संक्रामक रोगों से ग्रस्त हों ।

ऐसे किसी भी व्यक्ति को कच्चे माल या असंरक्षित उत्पादों की उठाई धराई की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी जिसने जल्द को ढांपने के लिए बैन्डेज, प्लास्टर या सुरक्षात्मक पट्टों लगाई हो ।

उत्पादों के प्रसंस्करण और तैयारी में कार्यरत स्टाफ को सफेद एपरन या वर्वी और टीमी (हैड गेर) दिए जाएंगे, ये स्वच्छ और साफ होने चाहिए । प्रबंधमंडल यह सुनिश्चित करेंगा कि सभी श्रमिक स्वच्छ और साफ हों । प्रबंध मंडल उन सभी श्रमिकों को "फैम भास्क भी प्रदान करेगा जो मश्कुन चूर्ण और चीज बनाने और पैकिंग वाले अनुभागों में कार्यरत ह ।

8. दूध उत्पादों के परिवहन या वितरण के काम में आने वाले मोटर यान, ट्रैक वीगन, ट्रानियां गोदी आधात आदि को हमेशा साफ अवस्था में रखा जाएगा और दूध के सम्पर्क में आने वाले सभी पुर्जे स्टेनलेस स्टील के बने होंगे या जो फाइबर ग्लास से संसेचित खाद्य श्रेणी के रेजिन से विलेपित होंगे । हर तीसरे वर्ष सनह को खाद्य श्रेणी के रेजिन से विलेपित किया जाएगा और रेजिन से विलेपित बर्टनों के मामले में निरीक्षण के लिए एक प्रमाणपत्र रखा जाएगा ।

9. पर्याप्त सी.आई.पी. प्रणालियां रखी जाएंगी । प्रत्येक में इस प्रकार से गर्म जल अमज और आवश्यक पाइपों और फिटिंग के साथ सी टेक होने चाहिए कि सी.आई.पी. धोल प्रत्येक और हर उपस्कर में तब तक परिचालित होता रहे जब तक कि अपेक्षित मानक तक सभी उपस्कर और सहायक उपस्कर साफ न हो जाएं ।

10. दूध और दुरध उत्पादों की उठाई-धराई में काम आने वाले उपस्कर एम एम पी ए बी ड्वारा समद-समेत पर नियन्त्रण संबंधी मानकों के अनुरूप होने चाहिए ।

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Animal Husbandry and Dairying)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th June, 1992

S.O. 405(E).—Whereas the Central Government is of opinion that for maintaining and increasing the supply of liquid milk of the desired quality in the interest of the general public, it is necessary to provide for regulating the production, supply and distribution of milk and milk product;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1. Short title, extent and commencement :—(1) This Order may be called the Milk and Milk Product Order, 1992.

(2) It extends to the whole of India.

(3) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. Definitions :—In this Order, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955);

- (b) "Board" means the Milk and Milk Product Advisory Board constituted under paragraph 3;
- (c) "business in milk and milk product" means sale or purchase of milk or milk product and includes manufacturing, processing, handling or controlling of milk or milk product;
- (d) "Chairman" means the Chairman of the Board;
- (e) "Controller" means an Officer of the Central Government appointed under paragraph 12;
- (f) "milk" means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof, either raw or processed in any manner and includes pasteurised, sterilized, recombined, flavoured, acidified, skimmed, toned, double toned, standardised or full cream milk;
- (g) "milk product" means cream, malai, curd, yogurt skimmed milk curd, shrikhand, paneer or channa, skimmed milk paneer or skimmed milk channa, cheese, processed cheese and cheese spread, ice cream, milk ices, condensed milk (sweetened and unsweetened), condensed skimmed milk sweetened and unsweetened), whole milk powder, skimmed milk powder, partly skimmed milk powder, khoya, rabri, kulf, kulfa, cassein, sweets made from khoya, paneer and channa, infant milk food, table butter,

deshi butter, ghce or butter oil, and includes any other substance containing--on a dry weight basis not less than fifty per cent of milk solids (excluding added sugars), or any other substance declared by the Central Government, by notification as a milk product;

- (h) "milk shed" means an area geographically demarcated by the registering authority for the collection of milk or milk product by the holder of a registration certificate;
- (i) "milk producer" means a person owning or keeping or otherwise having control of cow, buffalo, sheep or goat for the production of milk intended for sale or for conversion therof to any milk product;
- (j) "milk solid" means anhydrous constituents of milk and includes milk fat and non-fat milk constituents either singly or in combination in any proportion;
- (k) "registration certificate" means a registration certificate issued under this Order;
- (l) "Registering Authority" means an authority appointed or designated, subject to the provision of sub-paragraph (2) of paragraph 31, by the Central Government to make registration and to issue registration certificates under this Order;
- (m) "Schedule" means a Schedule appended to this Order.

3. Milk and Milk Product Advisory Board :—(1) soon as may be after the commencement of this Order, but not later than one hundred and eighty days from such commencement, the Central Government shall, by notification in the Official Gazette, constitute a Board to be called the Milk and Milk Product Advisory Board which shall consist of the following namely :—

(I) Official Members :

- (a) Secretary to the Government of India, Department of Animal Husbandry and Dairying, Ministry of Agriculture (ex-officio). . . Chairman
- (b) Joint Secretary to the Government of India, in charge of Dairy Development, Department of Animal Husbandry and Dairying, Ministry of Agriculture (ex-officio)—Member.
- (c) Joint Secretary to the Government of India, Department of Industrial Development, Ministry of Industry (ex-officio).—Member.
- (d) Joint Secretary to the Government of India, Ministry of Food Processing Industries (ex-officio)—Member.
- (e) Additional Director General of Health Services, Government of India, Department of Health, Ministry of Health and Family Welfare (ex-officio)—Member.
- (f) Director, National Dairy Research Institute, Indian Council of Agricultural Research, Karnal (ex-officio)—Member.
- (g) Managing Director, National Dairy Development Board, Anand (ex-officio)—Member.

(h) Managing Director, National Cooperative Dairy Federation of India, Anand (ex-officio)—Member.

(II) Non-Official Members :

- (a) Two representatives from the cooperative dairying sector—Member.
- (b) Two representatives from the private sector from amongst those engaged in the business of milk or milk product—Member.

(III) Secretary of the Board—Member/Secretary.

- (2) The non-official members and Member-Secretary of the Board, shall be appointed by the Central Government by notification, for a period of three years.
- (3) The terms and conditions of appointment of the Member-Secretary and the non-official members shall be such as the Central Government may from time to time determine.
- (4) A non-official member and Member-Secretary may resign from his office by a notice in writing addressed to the Chairman.
- (5) In the absence of the Chairman, or for the duration for which there is no Chairman, as the case may be, the Joint Secretary to the Government of India, in charge of Dairy Development in the Department of Animal Husbandry and Dairying, Ministry of Agriculture shall act as Chairman.

(6) The Board shall meet at least four times in a calendar year.

(7) If any vacancy occurs due to death, resignation or otherwise in the office of any non-official member of the Board, the vacancy so caused shall be filled in accordance with the provisions of sub-paragraph (2) above and every person so appointed shall hold office for the remaining period for which the non-official member in whose place he is appointed would have held the Office.

(8) The quorum for the meeting of the Board shall be five members.

(9) The Board shall regulate its proceedings in such manner as deems proper, but on any matter on which the votes of the Board are equally divided, the Chairman or the person presiding over the meeting shall have a second or casting vote.

4. Functions of the Board:—(1) The Board shall assist, aid and advise the Central Government on any matter concerning the production, manufacture, sale, purchase and distribution of milk and milk product and on matters incidental thereto.

(2) Without prejudice to the generality of the provisions of sub paragraph (1), the Board may advise the Central Government on matters relating to,—

- (a) facilitation of the supply of availability of liquid milk, by balancing uneven supplies in different regions and seasons;
- (b) maintenance or increase in the supply of milk, and equitable distribution and availability thereof;

- (c) establishment of proper standards and norms for control and handling of milk and milk product;
- (d) maintenance of high standards of sanitary and hygienic conditions in the manufacture of milk and milk product;
- (e) establishment, promotion or registration of any industry which is relatable to milk product; and
- (f) such other purposes as are necessary or incidental to the effective implementation of the Order;

(3) Where the Central Government considers that the expertise of the Board may be utilised in the implementation of this Order in any respect, it shall be competent for the Central Government to direct that any of its functions relating to the implementation of the Order shall be performed by the Board, subject to such conditions, restrictions and limitations as the Central Government may specify, whereupon it shall be competent for the Board to discharge those functions.

5. Registration.—(1) On and from the date of commencement of this Order, no person shall manufacture or carry on business in milk or any milk product nor create any manufacturing facility for the business, unless such person has made an application within ninety days from such commencement in the form specified in the First Schedule along with the prescribed fee to the registering authority for obtaining the registration certificate.

(2) The provisions contained in sub-paragraph (1) shall apply to such person who handles or is equipped to handle or who has in the establishment or unit under his ownership or control (or where he has more than one such establishment, all the establishments put together) installed capacity for handling milk in excess of ten thousand litres per day, or milk product containing milk solids in excess of five hundred tonnes per annum.

(3) Where any person or undertaking or establishment or unit, who or which was duly authorised immediately before the date of commencement of this Order, to handle, process or manufacture milk or any milk product after obtaining licence or registration certificate under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), every such person, undertaking, establishment or unit holding such licence or registration certificate shall also make an application for registration under sub-paragraph (1) together with the prescribed fee.

(4) In the case of licence or registration certificate referred to in sub-paragraph (3), the terms and conditions of the registration under this Order shall cover only matters such as the specification of milkshed or any other matter which does not fall within the purview of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951).

(5) On receipt of the application, the registering authority may call for such other particulars as it may deem necessary for arriving at a decision about the matter of registration and the applicant shall be bound to furnish the same within such period as may be specified by the registering authority in this behalf.

(6) After making such enquiries as it may deem fit,—

- (a) in respect of applicant referred to in sub-paragraph (3), the registering authority shall make the registration and issue the registration certificate to the applicant in the form specified in the Second Schedule;
- (b) in cases, where an application is made under sub-paragraph (1), the registering authority may, after making such enquiry as it may deem fit,—
 - (i) make the registration and issue the registration certificate in the form as specified in the Second Schedule subject to such terms and conditions as may be specified having regard to the provisions contained in sub-paragraph (8) hereinafter; or

(ii) refuse the registration by specifying the reason for such rejection.

(7) Every application for registration shall, as far as may be, be disposed of by the registering authority within a period of sixty days from the date of receipt of the application :

Provided that the time taken by the applicant in furnishing the particulars under sub-paragraph (5) shall be excluded in calculating the period of sixty days.

(8) In specifying terms and conditions, the registering authority shall have regard to the following, namely :—

- (i) the proper utilisation of milk in the region from the milksheds;
- (ii) the availability of milk for the general public;
- (iii) the quality and quantity of milk available in the region;
- (iv) the remunerative price for milk;
- (v) the facilities available for handling milk and milk product;
- (vi) the policy of preferential treatment to the cooperative sector; and
- (vii) any other matter which may be relevant to the healthy development of the dairy industry.

(9) While issuing a registration certificate under this Order, where the registering authority has specified the milkshed, the holder of the registration certificate shall be bound to confine the collection of milk to that milkshed.

(10) Separate registration certificate shall be obtained in respect of each undertaking or establishment or unit if the holder of the registration certificate carries on business in milk or milk product in more than one premises.

6. Registration and its renewal :—(1) The registration certificate issued under this Order shall be valid for a period of three years from the date of issue.

(2) Where an application for registration is made under sub-paragraph (3) of paragraph 5, the existing terms and conditions of the licence referred to in that paragraph shall remain valid until an order for registration is passed on such application.

(3) Every application for renewal of registration certificate shall be made to the registering authority in the form as specified in the Third Schedule at least sixty days before the expiry of the period of the registration :

Provided that the registering authority may entertain an application received after the expiry of the said period, if he is satisfied that there was sufficient and reasonable cause for not making the application within the said period.

(4) In the case of an application for renewal of registration certificate, referred to in sub-paragraph (3) of paragraph 5, the renewal shall not be refused unless there has been a violation of the terms and conditions of the registration under this order :

Provided that no such application shall be rejected unless the applicant has been given a reasonable opportunity for showing cause against the rejection.

Provided further that a copy of the order rejecting the application shall be communicated to the applicant.

7. Modification, addition or alteration in equipment or premises.—In case of any application for registration under paragraph 5 or for the renewal thereof under paragraph 6, if the registering authority, on receipt of a report or otherwise, is satisfied that any modification, addition or alteration is necessary, in equipment or premises for the maintenance of optimum standards of sanitary requirements, or to ensure the quality standards of milk or milk product, or to secure cleanliness in relation to the machinery or the premises, he may, instead of issuing or renewing the registration certificate, as the case may be, issue a provisional registration certificate together with a direction to the holder of the registration certificate to carry out the modification, addition or alteration within a stipulated period, and registration shall

be granted if it is complied within the said period as and in the event of any failure or default in compliance of directions, the registration shall be cancelled.

8. Fee for registration and renewal :—(1) Subject to the provisions of sub-paragraph (2), the Central Government may, by order, specify the fee payable for registration and for renewal of registration under this Order and also specify the manner in which fee shall be payable.

(2) Every application for registration or for its renewal shall be accompanied by a fee of rupees one thousand only or as may be revised from time to time by the Central Government, and the fee paid by an applicant for registration or its renewal, as the case may be, shall be refunded if no registration or its renewal is made.

Provided that in the case of an application for registration or its renewal in relation to handling, processing or manufacturing of one hundred thousand litres of milk per day or any milk product containing five thousand tonnes of milk solids per annum, the same shall be accompanied by a fee of rupees five thousand only or as may be revised from time to time by the Central Government.

9. Transfer of registration :—(1) In the event of death of the holder of a registration certificate, his legal representative may apply to the registering authority for transfer of registration in his favour, and the registering authority shall after making such enquiry as he may deem fit, if he is satisfied that the applicant is the legal representative, grant the registration and issue the registration certificate or, where the registering authority is not satisfied about the claim of the applicant to be the legal representative, for reasons to be recorded in writing, reject the application:

Provided that no such application shall be rejected unless the applicant has been given a reasonable opportunity for showing cause against the rejection:

Provided further that a copy of the Order rejecting the application shall be communicated to the applicant.

(2) When an application for transfer of registration has been made under sub-paragraph (1), the registering authority may permit the carrying on of the business in milk or milk product pending disposal of the application for registration.

10. Production or handling of milk or milk product.—(1) On or after the commencement of this Order, no person to whom a registration certificate has been issued under this Order shall handle, produce or deal with any item of milk or milk product in excess of the capacity specified in the registration certificate or collect milk from outside the milkshed area specified in the registration certificate unless he obtains the previous permission of the Controller to do so.

(2) Where an application is made by any holder of registration certificate for manufacturing, handling, producing or dealing in milk or any milk product in excess of the quantity specified in the registration certificate or for collecting milk from outside the area specified in the registration certificate, the Controller shall give permission for such excess quantity only for a specified duration and that too after he is satisfied that it is necessary in the public interest to allow the holder of the registration certificate to do so.

(3) The Controller may, suo moto, by order, during the specified period, permit any class or category of registration certificate holders to manufacture, handle, produce or deal in any item of milk or milk product, in excess of the capacity allowed under the registration certificate, if he considers it necessary to do so in the public interest.

(4) The Central Government may, by general or special order, issue directions to the Controller on the circumstances and the manner in which, he shall exercise the powers under sub-paragraph (3).

11. Collection of milk :—(1) Every holder of registration certificate shall collect or procure milk only from the milkshed assigned under the registration certificate.

(2) Within the area of the milkshed specified in the registration certificate, the collection and procurement of milk shall be made from the milk producers cooperatives of that area to the extent such cooperatives are able to supply milk.

(3) Where the registering authority considers it necessary in the public interest, by reason of shortage of milk in the milkshed or of surplus liquid milk in an area outside milkshed area, it may permit the holder of the registration certificate to collect or procure milk from outside the milkshed, for such period, not exceeding ninety days, as it may specify in that behalf.

(4) The collection of milk from outside the milkshed in accordance with sub-paragraph (3) shall be made only through cooperative milk federation or union, at a price mutually agreed upon, and in the absence of any such agreement, at the price at which the cooperative federation or union concerned sells milk to any other cooperative federation or the union.

(5) The liquid milk shall not be used for making any milk product (even within the limits of capacity provided in the registration certificate) during such period as the Central Government may, by notification, in the Official Gazette specify.

12. Appointment and functions of Controller.—(1) The Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint or designate any officer of the Government, not below the rank of a Joint Secretary to Government of India, to exercise the powers and functions of the Controller under this Order.

(2) The Controller shall, subject to the control of the Central Government, be responsible for the general implementation and control of the provisions of this Order.

(3) The Controller shall, without prejudice to any other powers conferred upon him under this Order and the powers of the Central Government under paragraph 13, be responsible for implementing the provisions of this Order and shall take such steps as may be necessary for furtherance of the purposes of this Order.

13. Appointment and functions of registering authority.—(1) The Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint or designate as many Officers of the Central or State Government or a statutory body set up by an Act of Parliament or State Legislature, as it may deem fit, as registering authority and specify their respective jurisdiction.

(2) The registering authority shall deal with applications for registration and issue registration certificates under this Order and perform, within its jurisdiction, all functions in connection therewith for compliance with the terms and conditions of the registration.

14. Quarterly returns and additional information.—(1) Every holder of the registration certificate shall, within thirty days of the expiry of every quarter, submit to the registering authority, a return in duplicate, in the form specified in the Fourth Schedule.

(2) The registering authority may call for such information as it may deem necessary from the holder of the registration certificate or from any other person dealing with or handling or processing or manufacturing milk or milk product, to ascertain the quantity and quality of milk or milk product dealt with or handled or processed or manufactured or sold by him in respect of any period that he may specify, or such other information as may be required for implementing the provisions of this Order.

(3) The Central Government or any officer or authority authorised or designated by it in this behalf may, to satisfy itself or himself that the provisions of this Order are being complied with, require any person, who in its or his opinion is likely to use milk or a milk product for a purpose not in conformity with this Order or registration thereunder, to furnish within such period and in such form or at such intervals as may be specified, such additional information or returns as he or it may deem proper.

15. Power to enter, inspect and seize.—(1) The registering authority or any other officer authorised by it, may carry out periodic inspection of any premises in which manufacture or processing, or business in milk or any milk product is carried on, with a view to ensuring compliance with the provisions of this Order or of any direction issued in pursuance thereof or supply of genuine and proper material to

consumers, and where the registering authority, otherwise considers it necessary by general or special order, it may—

- (a) require any holder of the registration certificate or any other person to give any information in his possession with respect to his business;
- (b) require, by notice in writing, any holder of the registration certificate or any other person to furnish samples of any milk or milk product or of any material used in the manufacture of the same;
- (c) require any holder of the registration certificate or any other person dealing with or manufacturing or processing or handling milk or milk product, in writing, to produce books, documents or the registration certificate issued to him;
- (d) inspect or cause to be inspected any of the books or documents in the possession of or under the control of such persons;
- (e) inspect or cause to be inspected any stock or any such vehicle, vessel or receptacle, if he has reason to believe that goods procured are in violation of the terms and conditions of the registration or in contravention of the provisions of this Order;
- (f) enter and search any premises and seize any article to which this Order applies and in respect of which he has reason to believe that contravention of this Order has been or is being or is about to be committed and take or authorise to take all measures necessary for securing the production of stocks with reference to milk or milk product so seized in the Court or for their safe custody, pending such production.

(2) The authority or the officer referred to in sub-paragraph (1) may,—

- (a) detain, on giving a proper receipt, raw materials, documents account books, or other relevant evidence connected with the handling or processing or dealing with or manufacture of milk or milk product in respect of which he has reason to believe that a contravention of this Order has taken place;
- (b) collect, from the holder of the registration certificate, on giving a proper receipt, samples of milk or milk product or any ingredient used in the preparation of such milk or milk product from the premises of the holder of the registration certificate in respect of which he has reason to believe that a contravention of this Order has taken place;
- (c) collect, on payment, from any person samples of milk or milk product sold, or intended to be sold or kept for despatch or delivery to any dealer, agent or broker for the purpose of sale, and get such samples analysed at a recognised laboratory specified under sub-paragraph (6) of paragraph 23.

(3) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) shall, as far as may be, apply to every search under this Order.

16. Suspension or cancellation of registration.—(1) The registering authority may suspend or cancel the registration certificate issued under this Order, if the holder of the registration certificate,—

- (a) wilfully furnishes incorrect information at the time of applying for the registration;
- (b) fails to comply with any of the terms or conditions of the registration certificate, or acts in contravention thereof;
- (c) fails to comply with any of the directions issued by the registering authority, or where duly authorised in pursuance of the provisions of this Order, by any other person;
- (d) fails to furnish any information or return as required or may be required under the provisions of this Order;
- (e) save as otherwise permitted under paragraph 11,—
 - (i) collects, procures or produces any item of milk or milk product beyond the limit specified in the regis-

tration certificate issued to him in relation to that item;

- (ii) collects milk from any area outside the milkshed specified in the registration certificate; and
- (f) in any other manner contravenes any of the provisions of this Order.

(2) While exercising powers under sub-paragraph (1), it shall be open to the registering authority to issue an order of suspension in the first instance and thereafter an order of cancellation if the default or failure persists.

(3) Before any registration certificate is cancelled in pursuance of sub-paragraph (1) or sub-paragraph (2), the registering authority shall give an opportunity to the holder of the certificate to show cause and in every case where the registration certificate is cancelled, a further period of three months for winding up of the business shall be given to the holder of the certificate and during that period he may carry on the business to such extent only as may be necessary for winding up the operations.

17. Maintenance of records.—The registering authority may, by general or special order, direct any person engaged in the manufacture or processing or other business of milk or any milk product to maintain such records of his business in such manner and to submit to him such returns relating to the business as have been or may be specified under the provisions of this Order.

18. Appeal to Controller.—(1) Any person aggrieved by any order of a registering authority, or any other officer authorised by it, may, within thirty days of the order, prefer an appeal to the Controller who shall, after giving the person a reasonable opportunity of being heard, pass such orders thereon, as he may deem proper;

Provided that the Controller may entertain an appeal after the expiry of the said period of thirty days if he is satisfied that the appellant was prevented by sufficient cause from filing an appeal within time.

(2) Every appeal under sub-paragraph (1) shall be accompanied by a fee of Rupees five hundred only or as may be revised from time to time by the Central Government.

19. Powers of Central Government to issue directions.—(1) Notwithstanding anything contained in this Order, the Central Government shall have power to issue any direction to the Board or to the Controller or to any registering authority, in respect of any of the matters dealt with in this Order or on any matter relevant thereto, and such direction shall prevail over any other order or direction validly made earlier.

(2) Notwithstanding anything contained in this Order, the Central Government shall have power to issue any direction in respect of any of the matters dealt with in this Order including any direction relating to any restraint or restriction or free inter-state movement of milk or milk product.

20. Temporary registration on production of milk product.—(1) The Controller may, if he is satisfied that it is necessary so to do to maintain or increase the supply of liquid milk in any region, direct, by Order published in the Official Gazette, that for the period mentioned in the said Order, the distribution of liquid milk or the production of any milk product by any class or category of producers or manufacturers thereof shall be restricted in such manner as may be specified in the Order, provided that no such Order shall remain in force for a period of more than ninety days at a time.

(2) In making the restriction referred to in sub-paragraph (1), the Controller shall have regard to the following factors, namely :—

- (a) the availability of liquid milk in the region,
- (b) the demand for liquid milk by the general public in the region,
- (c) the availability of skimmed milk powder and white butter for reconstitution into liquid milk by dairy plants,
- (d) the inter se importance of liquid milk and the concerned milk product proposed to be restricted, and
- (e) any other factor relevant for maintaining the liquid milk supply.

21. Levy on Skimmed milk powder and milk fat.—(1) Where the Controller is satisfied that it is necessary to do so for the purpose of ensuring liquid milk supply to the general public of any region, he may, by order, direct any class or category of producers or manufacturers of skimmed milk powder or milk fat in that region to make available such percentage of their total production of all or any of these commodities as he may deem appropriate, to any authority designated by him for the purpose.

(2) Every producer and manufacturer referred to in sub-paragraph (1) from whom commodity mentioned therein is made available in pursuance of the direction of the Controller shall be paid the value of the same as may be determined by the Controller.

22. Appeal to the Central Government.—(1) An appeal against any order or direction issued by the Controller under this Order, shall lie, within thirty days of the issuance of this Order, to the Central Government, and the Central Government shall, after giving the appellant an opportunity of being heard, pass such order thereon as it may deem proper :

Provided that the Central Government may entertain an appeal after the expiry of the specified period if it is satisfied that the appellant was prevented by sufficient cause from filing the appeal within the specified time limit.

(2) Every appeal under sub-paragraph (1) shall be accompanied by a fee of Rupees one thousand only or as may be revised from time to time by the Central Government.

23. Procedure for drawing samples, conducting analysis, and issue of prohibition Order.

(1) Subject to the provisions of sub-paragraph (2) of paragraph 15, the registering authority or any officer or authority authorised or designated by him, when drawing the sample shall follow the under-mentioned procedure,—

(a) the sample shall be drawn in such manner as to render the sample to be homogeneous and representative so that the analysis can furnish reliable data of the nature and content of the article :

Provided that where milk or any milk product is kept, sold or stored for sale or for distribution in sealed containers having identical label declaration, the contents of one or more of such containers as may be required to satisfy the quantity required for proper analysis, shall be treated to be a part of the sample :

Provided further that, while taking a sample, notice in writing shall be given then and thereof the intention to have it so analysed to the person from whom the sample is taken;

(b) the sample shall forthwith be separated into three equal parts, and each part put in a separate container, marked and sealed;

(c) one of the parts of the sample shall be sent for analysis to a recognised laboratory and the remaining two parts shall be sent to the Controller or to any institution authorised by him for custody for use in case a re-test of the sample is required.

(2) The laboratory to which sample is sent shall make a report to the registering authority of the results of the analysis of the sample within a reasonable time.

(3) Where any action is contemplated against any person on the basis of the sample drawn from him which on analysis by the recognised laboratory was found to be sub-standard or unsuitable, he shall have a right to have the second part of the sample sent for further analysis by a second laboratory duly authorised by the Controller for the purpose, and upon receipt of any such request made within fifteen days of receipt of information about the sample not satisfying the prescribed standard, the registering authority shall forward the same to the second laboratory whose report shall supersede the report given by the first laboratory mentioned in sub-paragraph (1) and the same shall be final and conclusive evidence of the facts stated thereunder.

(4) The fee payable for analysis made by the second laboratory aforesaid shall be paid by the person at whose instance the registering authority called for the further analysis.

(5) Where the quality of milk or milk product, as the case may be, is found, on second analysis to be sub-standard or unsuitable, the registering authority may, by an order in writing, prohibit the sale of the same as well as the handling or processing or manufacture of any such milk or milk product.

(6) Every laboratory recognised for the purpose of the Bureau of India Standard Act, 1986 (Act 63 of 1986) and any other laboratory which may be subsequently recognised by the Central Government by an Order shall be a laboratory recognised for the purposes of this Order.

24. Publication of list of holders of registration certificates.—(1) The Controller shall, as soon as may be after the commencement of this Order, publish in the Official Gazette, a list of the names and addresses of the holders of registration certificates and that of their establishments or Units, together with a description of the milk or milk product covered by their respective registration certificates.

(2) The Controller may thereafter undertake similar periodic publication,—

(a) giving particulars of any person who is subsequently issued a registration certificate, or whose certificate is amended or cancelled;

(b) giving a consolidated list inserting therein the modifications made to the first list published under sub-paragraph (1).

25. Sanitary requirements for milk and milk products.—The premises in which milk or any milk product is being handled, processed, manufactured, stored or distributed, by the holder of the registration certificate, and the persons handling them shall conform to the sanitary requirements and standards as specified in the Fifth Schedule.

26. Certification, packing, marking and labelling.—(1) Every person engaged in the business of handling, processing or manufacturing milk or any milk product, shall, in regard to the items of milk or milk product manufactured and the packing, marking and labelling of containers thereof, comply with the following requirements, namely :—

(i) The product related to that items shall be got certified by the Officer authorised in this behalf by the registering authority to the effect that the goods conform to the standards of quality prescribed by the Central Government,—

(a) in the case of any new product manufactured for the first time after the commencement of this Order, before the product is released from the premises for the first time after manufacture, and

(b) in the case of any product which is already being manufactured at the commencement of this Order, at any time when the person is called upon by the registering authority to get the product certified;

(ii) where certificate is issued to any person in relation to any item, such person shall be authorised to place an emblem of certification on the packaged goods;

(iii) every certificate issued under this paragraph shall require—

(a) that all subsequent despatches or releases of the item of milk or milk product shall conform to the standard specified at the time of certification;

(b) that the certificate holder is authorised to place the certificate number and the emblem of certification on such packaged goods and that the same shall be displayed prominently on each of them; and

(c) the label on the packaged goods shall not contain any statement, claim, design or device which is false or misleading in any manner concerning the milk or milk product contained in the package or about the quality or the nutritive value or of the place of origin of the same;

(iv) the constituent ingredients of milk or milk product shall conform to the standards prescribed by the Central Government.

(2) In every case where the milk or milk product is packed by the holder of a registration certificate in a tin, barrel, carton or any other container, the registration number shall either be exhibited prominently on the side label of such container or be embossed, punched or printed prominently thereon.

(3) There shall be specified on every label of a package of milk or milk product,—

- (a) the name, trade name or description of the article contained in the package;
- (b) the name and business address of the holder of registration certificate and the registration number;
- (c) the net weight or number or measure or volume of contents, as the case may be;
- (d) a batch or code number, except in the case of any—

(i) package weighing less than 60 grams or 60 millilitre of milk or milk product; and

(ii) milk (including sterilized milk but not including condensed milk) packed in bottles, cartons, or sachets;

(e) the day, month and year of manufacture or packing milk and the month and year of manufacture or packing of milk product :

Provided that this clause shall not apply in the case of ice cream, butter and cheese, and bottles, cartons or sachets containing liquid milk (not being condensed milk), beverage containing milk as ingredient, which are returnable by the consumer for reselling :

(f) the date of manufacture or packing on packages containing sterilized milk infant milk food.

(4) A holder of registration certificate shall not pack milk or any milk product other than those processed or manufactured by him or, those obtained from any other person holding a registration certificate.

(5) Without prejudice to the generality of the provisions contained in sub-paragraph (1), the registering authority may, by order, specify the requirements with regard to the packing, marking and labelling of packages of milk product of any specified type or description, whether such milk product is manufactured in India or not, and every manufacturer or person authorised by him shall be bound to comply with the provisions of such order.

(6) Nothing contained in this paragraph shall apply to milk or milk product imported into India.

27. Compliance with directions and orders.—(1) The Controller may issue such directions or instructions consistent with the provisions of this Order as may be necessary for carrying out the provisions of this Order.

(2) Every person to whom any direction or instruction is given or order is issued, in pursuance of any provision of this Order shall be bound to comply with such direction or instruction or order and any default or failure on the part of the person to comply with the same shall be deemed to be a contravention of the relevant provision of the Order.

(3) Every person shall be bound to furnish any information called for in pursuance of the provisions of this Order and in default, shall be deemed to have violated the provisions of the Order.

(4) No person shall cancel, destroy, mutilate or deface any book, document or any other evidence with a view to evading any provision of this Order.

28. Prosecution.—Any person,

- (a) handling or processing or controlling or manufacturing milk or any milk product without obtaining a registration certificate as required under this Order, or
- (b) continuing to manufacture or process or handle or pack milk or milk product after suspension or revocation or expiry of registration certificate issued, or
- (c) handling, processing manufacturing, controlling or packing milk or milk product in contravention of the provisions of this Order or of the terms and conditions of the registration certificate, or
- (d) Producing any item in excess of the quantity specified for that item in the registration certificate, or
- (e) making any manufacturing facility in contravention of the provisions of sub-paragraph (1) of paragraph 5,

shall, in addition to suspension, revocation, or cancellation of his registration certificate, be liable to prosecution for the contravention of the provisions of this Order.

29. Previous sanction for prosecution.—In the case of any contravention of any of the provisions of this Order by the holder of registration certificate or any other person, the registering authority shall obtain the previous sanction of the Controller before initiating the prosecution, and in every such case sanction shall be accorded only if the Controller is satisfied that there is a *prima facie* case against the holder of registration certificate or other person, as the case may be.

30. Penalty.—Every person who contravenes or is deemed to have contravened any of the provisions of this Order, or any of the terms and conditions of the registration certificate, or fails to carry out any direction or order or request made or instruction given thereunder, shall be punishable under section 7 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955).

31. Transitional and other provisions.—(1) With effect from the date of commencement of this Order and until the constitution of the Board, and also at any time the Board is not in existence or the Controller is not in position, the Secretary to the Government of India in the Department of Animal Husbandry and Dairying in the Ministry of Agriculture shall be competent to exercise all the powers and discharge all the functions of the Board under this Order, and he may authorise any Officer, not below the rank of Joint Secretary to the Government of India in the Ministry of Agriculture to perform the functions of the Controller till the date of appointment of a Controller in accordance with this Order.

(2) For the transitional period pending the appointment of registering authorities under this Order, it shall be competent for the person exercising the powers of the Controller, to authorise one or more Officers or designate any authority to discharge the functions of a registering authority and determine the jurisdiction in relation to each of them.

32. Repeal and savings.—(1) The provisions of this Order and instructions issued thereunder, shall supersede any order made under section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) in so far as it relates to milk or milk product.

(2) Notwithstanding such supersession, anything done or any action taken or initiated under those Orders shall be deemed to have been done, taken or initiated under the corresponding provisions of this Order.

FIRST SCHEDULE

Application for registration

[See Sub-paragraph (1) of paragraph 5]

PART-I

1. Name and Address of the applicant.
2. Names of the Managing Director, Directors, Proprietors, Partners, Owners etc.
3. Address of the business/dairy plant and of all the establishments/premises owned or managed by the applicant.
4. Telephone Numbers/Gram/Telex
5. (a) Description of milk and milk products with quantities per year which the applicant is equipped to handle/control process/manufature. (Give full details).
 - (b) if already handling/processing/controlling or manufacturing milk or milk product, the annual quantity of each product in the last three years (Give separately for each year).
 - (c) the quantity of each item of milk or milk product proposed to be handled, processed or manufactured.
6. Branches including chilling/collection centres.
7. Installed per day capacity of the dairy plant.
8. Total quantities of milk and each of the milk products handled or processed or controlled during the preceding year.
9. If established after obtaining licence or making registration under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) furnish photocopy of the licence or registration including all conditions attached to it.
10. Milkshed area (Sq. Km.) with the certified map showing physical boundaries.
11. Average quantity of milk per day to be used or handled—
 - (a) in lean season.
 - (b) in flush seasons.

PART-II

[Detailed description of milkshed]

1. Geographical area of the milkshed.
2. Number of districts and villages in each district.
3. Number of breedwise milch cows, buffaloes, sheep and goat, districtwise in the milkshed
4. District map showing Taluka/Tehsil boundaries and major roads/rail roads etc.
5. A brief description about the existing milk procurement, processing and marketing facilities.

6. Milk producers' cooperative societies/union etc.—total and functional in the milkshed.
7. Number of dairy plants—public/private in the milkshed.
8. Any other developmental programme.

I/We hereby undertake to comply with all the provisions of the Milk and Milk Product Order, 1992.

Please find forwarded herewith the prescribed registration fee.

I/We declare that the facts stated herein above and the particulars given in Part I and II are true and correct.

Signature(s) of the applicant(s)

Place :

Date :

SECOND SCHEDULE
Registration Certificate
[See Sub-paragraph (7) of Paragraph 5]

Registration No.

1. Name and address of the Certificate holder
2. Address of authorised premises for manufacture etc.
3. Subsequent change of premises, if any
4. Area of operation for milk procurement
 - (i) Name of village (Map of the milkshed)
 - (ii) Square km.
5. Area of Operation for marketing Milk and Milk Products.
 - (i) Town/Cities/Places where product are to be marketed.
6. Daily/Annual production capacity
 - (a) Milk
 - (b) Milk Products

(Specify the types of product and give particulars separately)
7. Specifications of equipment to be installed with capacity rating.

This registration certificate is issued under and is subject to the provisions of Milk and Milk Products Order, 1992 and the conditions specified below, shall also be complied with by the holder of the registration certificate.

CONDITIONS

The holder of the registration certificate shall—

- (1) comply with the provisions of Milk and milk Product Order, 1992 and any direction or instruction issued thereunder.
- (2) give necessary access to all implementing authorities and their personnel to ensure compliance.
- (3) restrict the collection of milk from the milkshed and shall not collect milk from outside it except as permitted under this Order.
- (4) not produce more than the quantities of product indicated in this registration certificate.
- (5) furnish periodis returns as required under the above Order.
- (6) any other condition which may be imposed by the Central Government.

Registering Authority

Place :

Date :

THIRD SCHEDULE

Application for renewal of registration

[See Sub-paragraph (3) of paragraph 6]

1. Name and Address of the applicant with particulars of existing registration
2. Names of the Managing Director, Directors, Proprietors, Partners, Owners etc.
3. Address of the business/dairy plant and of all the establishments/premises owned or managed by the applicant.
4. Telephone Numbers/Gram/Telex.
5. (a) Description of milk and milk products with quantities per year which the applicant is equipped to handle/process/control or manufacture.
(Give full details)
- (b) if already handling/processing or controlling or manufacturing milk or milk product, the annual quantity of each product in the last three years
(Give separately for each year)
- (c) the quantity of each item of milk or milk product proposed to be handled, processed or manufactured.
6. Branches including chilling/collection centres.
7. Details of registration fee paid earlier.
8. Total quantities of milk and each of the milk product handled or controlled or processed during preceding year.
9. If established after obtaining a licence under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951.
(65 of 1951) furnish photocopy of the licence including all conditions attached to it.
10. Average quantity of milk per day to be used or handled,—
 - (a) in lean season
 - (b) in flush season

I/We hereby undertake to comply with all the provisions of the Milk and Milk Products Order, 1992.

Please find forwarded herewith the prescribed fee for renewal of registration.

Signature(s) of the applicant(s)

Place :

Date :

FOURTH SCHEDULE

Quarterly Return

[See sub-paragraph (1) of paragraph 14]

For the Quarter ending

Name of Dairy Plant/Unit/other
Establishment/Premises (with address)

Name of the holder of Registration Certificate	Town/District			State		
Registration Number	Date of issue					
Stock Position	Fat (Metric Tonnes)			Solids-not-fat (Metric Tonnes)		
Opening Stock						
Receipts						
Despatches						
Closing Stock						
Milk Procurement						
Source of Procurement	Type of milk	Total Q ty (MT)	Total fat (MT)	Total SNF (MT)	**Prices Rs/Kg of milk	**Prices Rs/Kg. of fat
Village milk producers	Cow					
coop. Societies.	Buffalo					
	Mixed					
Milk Producers	Cow					
Coop. Unions/ Federations	Buffalo					
	Mixed					
Other agencies	Cow					
	Buffalo					
	Mixed					

** annex details regarding name, location etc. indicate landed price of milk.

MT — Metric Tonnes.

Rs/Kg—Rupees per kilo-gram.

1447 GI/92-4

Commodities used for	Reasons for conservation of commodities Total during the quarter (MT)						
	Whole milk powder	Skim milk powder	Butter Oil	White Butter			
Combined milk for sale							
Other Milk Products							
Product manufactured							
Product	Qty. Produced (MT)	Average		Product	Qty. (MT)	Average	
		Fat	SNF			Fat	SNF
1. White Butter							
2. Table Butter							
3. Ghee							
4. Skimmed milk powder							
5. Whole milk powder							
6. Infant food							
7. Malted food							
8. Chocolate products							
9. Cheese							
10. Any other article containing milk or milk product							
11. Ice Cream							
12. Yogurt.							

Qty—Quantity

MT—Metric Tonnes

SNF—Solids-not-fat.

Milk sold directly in towns (Name)	Packing (specify)	Total quantity during the quarter (.000L)	Average Fat/ Solids-not- fat	Consumer price (Rupees per litre)

Milk supplied to other dairies (Name of dairy)	Total qty. during the quarter (.000L)	Average Fat/ Solids-not-fat	Price (Rupees per litre)

PRODUCT MARKETING

Product	Opening Stock	Quantity sold during the Quarter	Closing Stock (Metric Tonnes)	Average selling ex-dairy (Rupees per litre)
1. White Butter				
2. Table butter				
3. Ghee				
4. Skim milk powder				
5. Whole milk powder				
6. Infant food				
7. Malted food				
8. Cheese				
9. Chocolate Products				
10. Any other article containing milk or milk product				
11. Ice-Cream				
12. Yogurt				

Signature

Place :

Date :

FIFTH SCHEDULE

Sanitary requirements for handling or processing or controlling or manufacturing milk and milk product.

[See paragraph 25]

The following shall be the sanitary requirements for the purpose of handling or processing or manufacturing or controlling of milk and/or milk product, namely:—

1. The premises shall be clean, adequately lighted and ventilated, properly whitewashed or painted. There shall be proper and adequate arrangements for disinfecting and deodourising. There should preferably the space around it on all sides.
2. The building shall be of a permanent nature and shall be of brick masonry/cement concrete and any other material which would ensure cleanliness. The doors shall be fitted with hydraulic door closers so that they close automatically to prevent insects, flies etc. entering the premises or thermostatic air curtains for similar purposes. The ceiling or roof shall be of permanent nature. The floor should be cemented, tiled or laid in stone to withstand the use of acid or alkali. Walls should be tiled or otherwise made impervious to water upto a height of at least 1.5 metres from the floor level. Ventilation and lighting shall be in accordance with the provisions made by or under the Factories Act, 1948

3. The establishment shall be so maintained as to permit hygienic production and all operations in connection with the handling or processing or manufacturing milk or any milk products shall be carried out carefully under strict sanitary conditions as laid down by or under the Factories Act, 1948 as for the time being in force. The premises shall not be used as residential premises; nor shall it have or be capable of having direct access with such premises.

4. There shall be adequate supply of water. Water shall be pure and of potable quality and free from pathological microorganisms. The water shall be examined periodically, chemically and bacteriologically, by a recognised laboratory and a certificate obtained to the effect that it is fit for human consumption. The licensee shall bear the cost of such examination. The registration certificate holder shall ensure water availability of a minimum 3.5 to 4 times the quantum of milk to be handled (i.e. rated capacity of the dairy) including the water, if any, recovered from milk through condensing plant.

5. There shall be an efficient drainage system and provision for treatment of refuse and effluents before disposal. Such facilities shall conform to the requirements laid down by the local water and drainage control authorities and the respective State Pollution Control Board.

6. Whenever five or more employees of either sex are employed, sufficient number of latrines for each sex as under shall be provided (IS : 1172—1971).

No. of workers	No. of latrines	No. of wash basins	No. of Urinals
Upto 25	1	1	2
25—49	2	2	3
50—100	3	3	4
100 & above	5	5	7

It should be ensured that the employees wash their hands with soap or detergent before they resume work.

7. No person suffering from infectious or contagious disease shall be allowed to work in the premises. Arrangements shall be made to get the staff medically examined once in six months to ensure that they are free from infectious, contagious and other diseases. A record of such examination, signed by a medical practitioner, shall be maintained for inspection. The staff working in the plant shall be inoculated against the enteric group of diseases and vaccinated against small pox once a year and a certificate thereof shall be kept for inspection.

In case of an epidemic all workers should be inoculated/vaccinated. No employee who is suffering from a hand or face injury, supporting skin infection or clinically recognisable infectious disease shall be permitted to work in the premises. A person having a bandage, plaster or protective covering for any injury shall not be allowed to handle raw materials or unprotected products.

The staff working in processing and preparation of products shall be provided with white aprons or uniforms and head gears which shall be clean. The management shall see that all workers are neat, clean and tidy. The management shall also provide face masks to all workers working in butter, powder and cheese making and packing sections.

8. Motor Vehicles, tank wagons, trolleys, insulated containers, etc. used for transport or distribution of milk products shall always be maintained in clean condition and all the parts coming in contact with milk shall be made of stainless steel or of food grade resin coating impregnated with fibre glass. Every three years the surfaces shall be coated with food grade resin and a certificate thereof shall be kept for inspection in case of resin coated vessels.

9. Adequate CIP systems shall be maintained. Each consisting of hot water, acid and lye tank with necessary pipes and fittings should be provided in such a way that CIP solution is circulated to each and every equipment till all equipment and accessories are cleaned up to required standard.

10. The equipment used for handling Milk and Milk Products shall conform to sanitary standards as may be fixed from time to time by MMPAB.

आवेदन
नई दिल्ली, 9 जून, 1992

का. आ. 406(भ) :—मेरे भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (पशु पालन और डेरी विभाग) के आदेश में का. आ. 411(अ) तारीख 9 जून, 1992 के साथ पठित दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 31 का उप-पैरा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के कृषि मंत्रालय, पशु पालन और डेरी विभाग के दुग्ध विकास प्रशासन में सहायक आयुक्त—I और सहायक आयुक्त-II को उक्त आदेश के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कृत्यों के निर्वहन के लिए प्राप्तिकृत करता है।

2. रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने के प्रयोजनों के लिए सहायक आयुक्त—I का अधिकारीकार जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, तिकिम, मण्डलाचल प्रदेश, झस्म, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम, मण्डूर, शियुगा के संघ तथा अंतर्राज्यीय और निकौशार, चंडीगढ़ और दिल्ली के संघ राज्य द्वारा होंगे।

3. पूर्वोत्तम प्रयोजनों के लिए सहायक आयुक्त-II का अधिकारीकार राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश, झान्ध प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडू, केरल के राज्य तथा दमन और दीवा, दादरा, नागर हवेली और लक्ष्मीप के संघ राज्य द्वारा होंगे।

[सं. 9-5-92-डी पी]
डी.सी. मिश्रा, नियंत्रक और संयुक्त सचिव,

ORDER

New Delhi, the 9th June, 1992

S.O. 406(E).—In exercise of the powers conferred by subparagraph (2) of paragraph 31 of the Milk and Milk Products Order, 1992, read with the Order of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Animal Husbandry and Dairying) No. S.O. 411(E) dated the 9th June, 1992, I hereby authorise Assistant Commissioner-I and Assistant Commissioner-II in the Dairy Division of the Department of Animal Husbandry and Dairying, Ministry of Agriculture, Government of India to discharge the functions of registering authority under the said Order.

2. The jurisdiction of Assistant Commissioner-I for the purposes of receiving applications for registration shall be the States of Jammu and Kashmir, Himachal Pradesh, Punjab, Haryana, Uttar Pradesh, Bihar, Orissa, West Bengal, Sikkim, Arunachal Pradesh, Assam, Meghalaya, Nagaland, Mizoram, Manipur, Tripura and Union Territories of Andaman and Nicobar Islands, Chandigarh and Delhi.

3. The jurisdiction of Assistant Commissioner-II for the aforesaid purpose shall be the States of Rajasthan, Gujarat, Maharashtra, Goa, Madhya Pradesh, Andhra Pradesh, Karnataka, Tamil Nadu, Kerala and Union Territories of Dadra and Diu, Dadra and Nagar Haveli and Lakshadweep.

[No. 9-5/92-DP]
D. C. MISRA, Controller and Jt. Secy;

आवेदन
नई दिल्ली, 9 जून, 1992

का. आ. 407(भ) :—दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 20 के उप-पैरा (2) में विनियिष्ट बातों को ध्यान में रखते हुए पैरा 20 के समाधान हो गया है कि दिल्ली संघ राज्यक्षेत्र में तरल दुग्ध के प्रदाय को बताए रखने और उसमें अभिवृद्धि के लिए ऐसा करता आवश्यक है;

प्रति, मर, मेरे दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 27 के साथ पठित पैरा 20 के उप-पैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियंत्रित आदेश करता हूं, अर्थात् :—

1. (1) संक्षिप्त नाम और भारंग : (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम दिल्ली (दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद) नियंत्रण आदेश, 1992 है।

(2) यह संपूर्ण दिल्ली संघ राज्य द्वारा पर लागू होगा।

(3) यह राजपत्र में प्रकाशित की तारीख को प्रवृत्त होगा और 16 जुलाई, 1992 को प्रभावहीन हो जाएगा।

परन्तु इस आदेश की समाप्ति प्रवृत्त की ऐसी समाप्ति से पहले की गई या कानून से दोप की गई किसी बात के बाबत उसके प्रवृत्त की प्रभावित नहीं करेगी।

2. परिभाषाएँ :—इस आदेश में, जब तक मंत्रमंडल से भ्रष्टाचार अवैधित न हो :—

(क) “नियंत्रण प्रधिकारी” से आयुक्त, खाद्य, प्रदाय और उपभोक्ता मामले, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली अधिप्रेत है और इसमें उपायकृत, खाद्य, प्रदाय और उपभोक्ता मामले और सहायक आयुक्त खाद्य, प्रदाय और उपभोक्ता, ममले, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली है;

(ख) “नियंत्रित” से संघ राज्यक्षेत्र दिल्ली के भीतर किसी स्थान से उसके बाहर किसी भी रीति से ले जाना या ले जाने देना अधिप्रेत है।

(ग) “दुग्ध” से गाय, भैंस, भेड़, बकरी का दुग्ध या उसका कोई समिश्रण अधिप्रेत है ताकि अपरिष्कृत हो या किसी भी रीति से प्रसंस्कृत हो और इसमें पास्तेरीकृत, रोगाणुनाशित पुनः संयोजित मुहूर्चिकरित, अम्लिकृत, मखनिया, एक डोनित, डम्ल डोनित, मानकीकृत या संपूर्ण जीव दुग्ध है।

(घ) दुग्ध-उत्पाद से नियंत्रित अधिप्रेत है :—

- (i) संपूर्ण दुग्ध चूर्ण
- (ii) मखनिया दूध चूर्ण
- (iii) संधानत दूध (मधुरित और प्रमधुरित)
- (iv) पनीर और छैना
- (v) संसाधित चीज
- (vi) खोश
- (vii) खोश, पनीर और छैना से बनी मिटाई
- (viii) देशी भी याबट भाइंड (किसी भी नाम से जाना जाता हो)
- (ix) फैसीन

3. दुग्ध का दुग्ध-उत्पाद के रूप में संपरिवर्तन और दुग्ध उत्पाद के विक्रय, पूर्तिया प्रदाय का प्रतिवेद्य तथा दूध के नियंत्रित पर पाबंदी

(क) कोई व्यक्ति किसी दूध उत्पाद के विनिर्माण के लिए दुग्ध का उपयोग नहीं करेगा।

(ख) कोई व्यक्ति संघ राज्य अंतर दिल्ली से दुग्ध का नियंत्रित नहीं होने देगा।

(ग) कोई व्यक्ति खोश या पनीर या छैना या केसीन या खोश, पनीर या छैना से बनी मिटाई का विक्रय पूर्ति या प्रदाय नहीं करेगा और न विक्रय पूर्ति का प्रदाय होने देगा या विक्री पूर्ति या प्रदाय के लिए रखेगा।

परन्तु इस खंड की कोई बात नियंत्रित दशा में दुग्ध के उपयोग पर लागू नहीं होगा।

(i) आदस्तीय, कुलकी या कुलका के विनिर्माण, विक्रय, पूर्ति या प्रदाय के लिए जिसने बैयार करने से खोश, या रखी प्रयुक्त नहीं होई है;

(ii) ऐसे दुग्ध-उत्पाद के विनिर्माण, विक्रय, पूर्ति या प्रदाय और दुग्ध के नियंत्रित के लिए जो रखा बतों की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए नियंत्रण प्रधिकारी के आदेश द्वारा अनुमति की गया हो;

(iii) ऐसे अवसरों पर और ऐसे नियंत्रणों और शर्तों के अधीन इन्हें हुए जैसा कि नियंत्रण अधिकारी, द्वारा, प्रादेश द्वारा नियंत्रित किया जाए, बाया, रबड़ी या कोई दूध जिसके तीव्र फलों में थी को छोड़कर दुध या उसका कोई उत्पाद एक संघटक है।

(iv) शैयोगिक प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त खट्टे दुध से कैसीन के विनियोग के लिए।

4. प्रबोध करने, तज़ीमी लेने, अधिग्रहण आदि की शक्ति:— (1) नियंत्रण अधिकारी या कोई मणिस्ट्रेट या सहायक उप नियोक्त की परिमि से व्यापून कोई पुलिस अधिकारी, आश और प्रदाय विभाग, दिल्ली प्रशासन का कोई अधिकारी जो उप नियोक्त की पंक्ति से कम न हो और व्यापून, आश, प्रदाय और उपभोक्ता मामले, दिल्ली प्रशासन, वित्ती द्वारा विभेद से अधिकृत वित्ती प्रशासन के किसी अन्य विभाग का कोई अधिकारी जो उप नियोक्त की पंक्ति से कम न हो, इस प्रादेश की पालना सुनिश्चित करने की दृष्टि से या अपना यह समाधान करने लिए कि इस प्रादेश की पालना की जा रही है,—

(क) दुध के नियत या किसी दुध पदार्थ के विनियोग के लिए प्रयुक्त या उपयोग के लिए आवश्यित किसी नौका, मोटर या अन्य यान या किसी पाव या मशीनरी या किसी अवक्तु को रोक सकेगा और तत्त्वात्मक रूप सकेगा;

(ख) किसी अवक्तु से कोई जानकारी दे और दुध और दुध-उत्पाद से संबंधित संव्यवहारों को दर्शाए वाली लेखाबहिरों या अन्य वस्तावेजों को प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा तथा ऐसी लेखाबहिरों या वस्तावेजों को जो उसकी राशि में इस प्रादेश के अधीन किसी कार्यालय से मुसंगत होंगी, अधिग्रहण कर सकेगा;

(ग) किसी स्थान पर या परिसर में किसी दुध या दुध-उत्पाद के साथ-साथ उस पैकेजों, अविष्टकों, पाकों या मशीनरी जिसमें दुध या दुध-उत्पाद पाए गए हैं या उसके साथ जिससे उक्त दुध उत्पाद का विनियोग किया गया है या उन पशुओं, यानों, जलयानों, तौकाओं या अन्य प्रवहनों को जो दुध या दुध उत्पाद ने जाने के लिए प्रयुक्त हुए हैं का अधिग्रहण कर सकेगा और उसके पश्चात, उक्त अधिग्रहण किए गए पैकेजों, अविष्टकों, पाकों या मशीनरी को न्यायालय के समस्त प्रस्तुत किए जाने और प्रस्तुत किए जाने के दोगने उनको सुरक्षित अधिकारी द्वारा उपलब्ध करने के लिए "मुपुरबार" के माध्यम से या अन्यथा आवश्यक सभी उपाय करेगा।

(2) तालाशी और अधिग्रहण से संबंधित दृष्टि प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 100 के उपबंध, यावतशक्ति, इस खंड के अधीन तालाशी और अधिग्रहण को लागू होंगे।

5. नियंत्रण अधिकारी की शक्ति-नियंत्रण अधिकारी ऐसा अंतरिम प्रादेश है सकेगा जो वह दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र में दुध का प्रदाय बनाए रखने के लिए अधिग्रहण किए दुध या दुध-उत्पाद के उपयोग के संबंध में अवश्य समझे।

[फा. मं. 9-5/92-शोपॉ]
श्री. सी. मिश्रा, नियंत्रण का

ORDER

New Delhi, the 9th June, 1992

S.O. 407(E)—Whereas, having regard to the factors specified in sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Milk and Milk Product Order, 1992, I am satisfied that in order to maintain and increase the supply of liquid milk in the Union territory of Delhi, it is necessary so to do;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 20, read with paragraph 27, of the Milk and Milk Product Order, 1992, I hereby make the following Order, namely:—

1. Short title, extent and commencement.—(1) This Order may be called the Delhi (Milk and Milk Product) Control Order, 1992.

(2) It extends to the whole of the Union territory of Delhi.

(3) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette and shall cease to operate on 16th July, 1992:

Provided that the expiry of this Order shall not affect the operation thereof in respect of things done or omitted to be done before such cessation of operation.

2. Definition.—In the order, unless the context otherwise requires,—

(a) "Controlling Officer" means Commissioner Food, Supplies and Consumer Affairs, Delhi Administration, Delhi, and includes Deputy Commissioner, Food, Supplies and Consumer Affairs, and Assistant Commissioner, Food, Supplies and Consumer Affairs, Delhi Administration, Delhi;

(b) "Export" means to take or cause to be taken, by any means whatsoever, out of any place within the Union territory of Delhi to any place outside it;

(c) "Milk" means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof, either raw or processed in any manner and includes pasteurised, sterilized, recombined, flavoured, acidified, skimmed, toned double toned, standardised or full cream milk;

(d) "Milk Product" means :—

- (i) Whole Milk Powder;
- (ii) Skimmed Milk Powder;
- (iii) Condensed Milk (Sweetened and un-sweetened);
- (iv) Paneer and Channa;
- (v) Processed Cheese;
- (vi) Khoa;
- (vii) Sweets made from Khoa, Paneer and Channa;
- (viii) Desi ghee or butter oil (by whatever name called);
- (ix) Casein;

3. Prohibition on conversion of milk into milk product and sale, service or supply of milk product and ban on the export of milk.

(a) No person shall use milk for manufacture of any milk product.

(b) No person shall export or cause to be exported milk from the Union territory of Delhi.

(c) No person shall sell, serve or supply or cause to be sold, served or supplied or possess for sale, service or supply Khoa or Paneer or Channa or Casein or sweets made from Khoa, Paneer or Channa :

Provided that nothing in this clause shall apply to use of milk.—

(i) for the manufacture, sale, service or supply of ice-cream, kulfi or kulfai in the preparation of which no khoya or rubree is used;

(ii) for the manufacture, sale, service or supply of such milk product and export of milk as the Controlling Officer may, having regard to the needs of the Defence Forces, by an order, permit;

(iii) for the manufacture, sale, service, supply or export of khoya, rubree or tiny sweets in the preparation of which milk or any of its products except ghee in an ingredient on such occasions and subject to such terms and conditions as the Controlling Officer may by order, specify;

(iv) for the manufacture of casein from sour milk used for industrial purposes.

4. Power of entry, search, seizure etc.—(1) The Controlling Officer or any Magistrate or any Police Officer not below the rank of Assistant Sub-Inspector or any officer of the Food and Supplies Department, Delhi Administration, not below the rank of Sub-Inspector and any officer of any other Department of the Delhi Administration, not below the rank of Sub-Inspector specially authorised by the Commissioner, Food, Supplies and Consumer Affairs, Delhi Administration, Delhi may, with a view to securing compliance with this order or to satisfy himself that this order is being complied with,—

- stop and search any person or any boat, motor or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for export of milk or for manufacture of any milk product;
- require any person to give any information and to produce books of account or other document showing transaction relating to milk or milk product and seize any such books of account or documents which in his opinion would be relevant to any proceedings under this Order;
- seize any milk or milk product in any place or premises together with packages, coverings, receptacles or machinery in which milk or milk product are found or with which such milk product are manufactured, or the animals, vehicles, vessels, boats or other conveyances used in carrying milk or milk product and thereafter take all measures necessary through a 'superdar' or otherwise for securing the production of the packages, coverings, receptacles or machinery so seized in court and for their safe custody pending such production.

(2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to searches and seizure under this clause.

5. Power of Controlling Officer.—The Controlling Officer may pass such ad interim order as he considers necessary regarding utilization of milk or milk product seized to maintain the supply of milk in the Union Territory of Delhi.

[F. No. 9-5/92-DP]
D. C. MISRA, Controller

आदेश

मई विलोनी, 9 जून, 1992

कानून 408 (अ) — दुग्ध और दुग्ध-उत्पाद आदेश 1992 के पैरा 20 के उप पैरा (2) में विनियिट बातों का ध्यान में रखते हुए मेरा यह समाधान हो गया है कि राजस्वान राज्य में तरल दुग्ध के प्रवाय को बनाए रखने और उसमें प्रभिकृदि के लिए ऐसा करना आवश्यक है;

प्रदः, अब, मैं, मूर्ति और मुख्य उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 20 के उप पैरा (1) द्वारा प्रवाय प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए, नियन्त्रित भावेष करता हूँ, अर्थात् :—

1. अधिकारी नाम, विस्तार और आवश्यक :

- इस आदेश का मंशित नाम राजस्वान (दुग्ध नियन्त्रण) नियन्त्रण प्रादेश, 1992 है।
- यह सम्पूर्ण राजस्वान राज्य पर लागू होगा।
- यह राजस्व प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा और 1 अगस्त, 1992 को प्रभावशील हो जाएगा।

परन्तु इस प्रादेश की समाप्ति प्रवर्तन की दिनी समाप्ति में पहले की गई या करने से लोप की गई किसी बात के बावजूद उसके प्रवर्तन को प्रभावित नहीं करेगी।

2. परिवापाएँ :—इस प्रादेश में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अंकित न

(क) "नियन्त्रित" से राजस्वान राज्य में किसी स्थान से भारत के शाय शक्ति के भीतर किसी स्थान को किसी भी रीति से जाना या जाने ले देना अधिकृत है।

(ख) "दुग्ध" से गाय, भेस, भेड़, बकरी का दुग्ध या उसका कोई समिश्रण अधिकृत है, जाने अपरिष्कृत रूप में या किसी रीति से प्रसाकृत हो और इसमें पास्वरीकृत रोगण नामित, पुनः सायेजिस, सुखिकार्निं, सम्लीकृत, मस्तिशा, दांड़, द्वयन दांड़, मानकीकृत या सपूर्ण ओर दुग्ध है।

3. दुग्ध नियन्त्रित का प्रतिवेद्य : राज्य में विभिन्न स्थानों पर इन एकत्रों के माध्यम स्वान कोआपरेटिव डेरी फैडरेशन लि. जयपुर से भिन्न कोई व्यक्ति राजस्वान राज्य से आपूर्त दुग्ध का नियन्त्रण नहीं करेगा और नियन्त्रित नहीं होने देगा।

4. प्रवेश करने, तलाशी लेने और अधिग्रहण करने आदि की जांकन (1) कलबटर, चांड़ अधिकारी, नहसीलदार, पुलिस जप अधिकारी का पंक्ति में अन्यून कोई गुनिम प्रधिकारी, प्रवर्तन नियोक्ता की पंक्ति से अन्यून चाल और नागरिक प्रवाय विभाग का कोई अधिकारी या ऐसा कोई अन्य अधिकारी जिसे राज्य सरकार राजस्व से अधिग्रहना वाला इस नियन्त्रित नहीं, इस प्रदेश की पालना भुविनित करने की दृष्टि से या अपना यह समाधान करने के लिए कि इस आदेश की पालना की जा रही है :

(क) नगर दुग्ध के नियन्त्रित के लिए प्रयुक्त या उपयोग के लिए प्राप्तिकृत किसी नोका, मॉटर या ग्रन्य यान या किसी पालना या भवीतरी या किसी व्यक्ति को गोक गकेगा और तलाशी में सकेगा।

(ख) किसी ऐसे स्थान या परिसर में प्रवेश कर रक्खा और तलाशी में सकेगा; जो दुग्ध के विनियाणि, क्रिय, पूनि या प्रदाय के लिए प्रयोग की जानी है।

(ग) किसी दुग्ध या किसी स्टाक का अधिग्रहण कर रक्खेगा जिसको बाबन उसके पास यह विधायम करने का कारण है कि इस आदेश के किसी उपबंध का जल्लंगम विद्या गया है, किया जा रहा है या किया जाने वाला है।

(घ) किसी अधिकारी को जो दुग्ध के किसी तेज़ी वाला स्थानों है या उसके करने में है जिसकी बाबन उसके पास यह विधायम करने का कारण है कि इस आदेश के किसी उपबंध का जल्लंगम किये जाने और प्रयुक्त किये जाने के दौरान उनकी गुरुत्वान्वित अधिकारी गुरुत्वान्वित करने के सभी आवश्यक उपाय करेगा।

(ङ) किसी अधिकारी को जो दुग्ध के किसी तेज़ी वाला स्थानों है या उसके करने में है जिसकी बाबन उसके पास यह विधायम करने का कारण है कि इस आदेश के किसी उपबंध का जल्लंगम किया जा रहा है या किया जाने वाला है लिंगिन प्रादेश द्वारा यह नियोग दे रक्खेगा या तुग्ध के ऐसे स्टाक या ऐक्ज़, आवेटक या वाल जिसमें उसी दुग्ध पाया गया है या दुग्ध के बहन में प्रयुक्त किसी पर्स, यान, जलस्वान या अन्य प्रदैहन को ऐसे प्रदाय देने वाले अधिकारी के अगले नियन्त्रित के बिना किसी भी रीति से हटाए या व्यवन कर।

(ज) क्षणियों और अधिग्रहण-में संबंधित दड़ प्रक्रिया मंहिना, 1973 (1974 का 2) की धारा 100 के उपवधि, यावतशक्ति, इग लाइन के अधीन की गई तलाशी और अधिग्रहण को लागू होगी।

ORDER

New Delhi, the 9th June, 1992

S.O. 408(E).—Whereas, having regard to the factors specified in sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Milk and Milk Product Order, 1992, I am satisfied that in order to maintain and increase the supply of liquid milk in the State of Rajasthan, it is necessary so to do;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 20, read with paragraph 27, of the Milk and Milk Product Order, 1992, I hereby make the following order, namely:—

1. Short title, extent and commencement.—(1) This order may be called the Rajasthan (Milk Export) Control Order, 1992.

(2) It extends to the whole of the State of Rajasthan.

(3) It shall come into force with effect from the date of its publication in the Official Gazette and shall cease to operate on 1st August, 1992.

Provided that the expiry of this Order shall not affect the operation thereof in respect of things done or omitted to be done before such cessation of operation.

2. Definition.—In this Order, unless the context otherwise requires,—

(a) "Export" means to take or cause to be taken, by any means whatsoever, out of any place from the State of Rajasthan to any place outside the State;

(b) "Milk" means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof, either raw or processed in any manner and includes pasteurised, sterilized, recombined, flavoured, acidified, skimmed, toned, double toned, standardised or full cream milk.

3. Prohibition of export of milk.—No person other than the Rajasthan Co-operative Dairy Federation Ltd., Jaipur with the units at various places in the State shall export or cause to be exported milk out of the State of Rajasthan.

4. Power of entry, search, seizure, etc.—(1) The Collector, sub-Divisional Officer Tehsildar, any Police Officer not below the rank of Deputy Superintendent of Police, any Officer of the Food and Civil Supplies Department not below the rank of Enforcement Inspector or any other Officer whom the State Government may, by notification in the Official Gazette, appoint in this behalf may, with a view to securing compliance of this order or for satisfying himself that this order is being complied with:—

(a) stop and search any person or any boat, motor or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for the export of liquid milk;

(b) enter and search any place or premises which is used for the manufacture, sale, service or supply of milk;

(c) seize any stock or any milk in respect of which he has reason to believe that a contravention of any of the provisions of this order has been, is being or is about to be committed;

(d) seize or authorise the seizure of any milk in any place or premises together with packages, covering receptacles or machinery in which milk is found or the animals, vehicles, boats or other conveyance used for carrying milk for export and thereafter take all measures necessary for securing the production of packages, coverings receptacles, machinery, animals, vehicles, vessels, boats or other conveyance so seized before the Collector and their safe custody pending such production;

(e) direct by an order in writing any person who owns or is in possession of any stocks of milk in respect of which he has reason to believe that a contravention of the provisions of this order has been, is being or is about to be committed, not to remove or dispose off in any manner such stock of milk or package, covering or receptacle in which such milk is found, or any animal, vehicle, vessel or other

conveyance used in carrying milk without further direction from the officer making such order.

(2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to search and seizure, under this clause.

[File No. 9-5/92-DP]
D. C. MISRA, Controller

ग्राहक

नई दिल्ली, 9 जून, 1992

का. ग्रा. 409(ग्र).—गुरुग्राम द्वारा उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 20 के उप पैरा (2) में विनिर्वाचन जातें को ध्यान में रखते हुए, मेरा यह समाधान हो गया है कि गुजरात राज्य में तरल द्रव्य के प्रयोग के बनाए रखने प्रीर उपर्यंग प्रभिवृद्धि के लिए ऐसा करना आवश्यक है;

प्रति, इब, मैं गुरुग्राम द्वारा आदेश, 1992 के पैरा 27 के साथ पैरा 20 के उप पैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित ग्राहक करता हूँ, प्रथमतः:—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और आरंभ:—

(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम गुजरात (द्रव्य निर्यात) नियंत्रण आदेश, 1992 है।

(2) यह संपूर्ण मुजरात राज्य पर लागू होगा।

(3) यह राज्यवत् में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा और 1 अगस्त, 1992 को प्रभावहीन हो जाएगा।

परन्तु इस ग्राहक की समाप्ति प्रवर्तन की ऐसी समाप्ति से पहली की गई या करने से लोप की गई किसी बात की आवश्यकता उसके प्रवर्तन को प्रभावित नहीं करेगी।

2. परिचयादान:—इस ग्राहक में, जब तक संवर्धन से अन्यथा अवैधित न हो,

(क) "निर्यात" से गुजरात राज्य में किसी स्थान से भारत के राज्य भौत के भीतर किसी स्थान का या यिसी भी रीति से ले जाना या ले जाने वेना अधिकृत है।

(ख) "द्रव्य से गाय, भैंस, भेड़, बकरी, का द्रव्य या उसका कोई समिश्रण अधिकृत है जहाँ अपरिकृत हो या किसी भी रीति से प्रसंस्कृत हो और इसमें पास्चुरीकृत, रोगाणुमासित पुनःसंयोजित, सूखावाहिका, अधिकृत, सूखावाहिका, मध्याह्निया, टोड़, इबल टोड़ मानकृत या संपूर्ण श्रीम द्रव्य है।

3. द्रव्य निर्यात का प्रतिबंध:—

कोई अवित गुजरात राज्य में द्रव्य का निर्यात नहीं करेगा।

4. प्रवेश करने, तत्पात्री लेने और अधिग्रहण प्राप्ति की गतिः

(1) कनकटर उपवंश विधिकारी, मामलातात्वार, पुनिस उप अधीक्षक की पंक्ति से प्रयुक्त कोई गुप्तिस प्रधिकारी, प्रवर्तन विधीकारी की पंक्ति से अन्यत व्यापार और नागरिक प्रदाय विभाग का कोई अधिकारी या ऐसा कोई अन्य अधिकारी जिसे राज्य सरकार राज्यवत् अधिसूचना द्वारा इस निमिस नियुक्त करे इस ग्राहक का पालना सुनिश्चित करने की दिशा से या प्रयोग की यह समाधान करने के लिए कि इस ग्राहक की पालना की जा रही है:—

(क) तरल द्रव्य के निर्यात के लिए प्रयुक्त या उपयोग के लिए आण्डित किसी नीका, भौंटर या अन्य यान या कोई पाल या मणीनी या किसी व्यानि की गोक लेके गोर तालाशी से सफेदः।

(क) फिरे ऐसे स्थान पर परिवार में प्रोग कर महोना और उत्तरां ने महोना जो दुध के विनियोग, विकर, पूर्ण या प्रशस्त के लिए प्रोग की जाती है।

(ख) किसी दुध या किसी स्थान का अभियहन कर महोना जिसकी बाबत उसके पास यह विवराय करने का कारण है कि इस आदेश के किसी उपबंध का उल्लंघन किया गया है, किया जा रहा है या किया जाने वाला है,

(ग) किसी स्थान पर या परिवार में पैकेजों, आवेटकों, पातों या मणीनरी के साथ जिनमें दुध पाया गया हो या नियति के लिए दुध ले जाने के लिए प्रयुक्त पशुओं, यानों, जीकानों या अन्य प्रवहनों का अभियहन या अभियहन को प्राप्तिकृत कर महोना और उसके पश्चात इस प्रकार अभियहन पैकेजों, आवेटकों, पातों, मणीनरी, पशुओं, यानों, जीकानों, जीकानों या अन्य प्रवहनों का कलाकटर के समझे प्रस्तुत किए जाने और प्रस्तुत किए जाने के द्वारा उनको सुरक्षित अभियहन सुनिश्चित करने के सभी आवश्यक उपाय करेंगा।

(द) किसी व्यक्ति को जो दुध के किसी ऐसे स्टाक का स्वामी है या उसके कल्पे में है जिसकी बाबत उसके पास यह विवराय करने का कारण है कि इस आदेश के किसी उपबंध का उल्लंघन किया गया है, या किया जा रहा है या किया जाने वाला है नियति आदेश द्वारा यह नियति दे सकता है कि दुध के ऐसे स्टाक या पैकेज, आवेटक या गाव जिनमें उक्त दुध पाया गया है या दुध के बहन में प्रयुक्त किसी पशु, या जलयान या अन्य प्रवहन को ऐसे आदेश देने वाले प्रधिकारी के आगले नियंत्रण के बिना किसी भी रीति से हटाए या व्यवन करें।

(2) तलाशी और अभियहन से सबंधित दंड प्रक्रिया प्रतिक्रिया, 1973 (1974 का 2) को धारा 100 के उपबंध, यावनशक्ति, इस दंड के अधीन को गई तलाशी और अभियहन को लागू होंगे।

[फा०स० 9-5/92-डीपी
डी.सी. मिश्रा, नियंत्रक]

ORDER

New Delhi, the 9th June, 1992

S.O. 409(E).—Whereas, having regard to the factors specified in sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Milk and Milk Product Order, 1992, I am satisfied that in order to maintain and increase the supply of liquid milk in the State of Gujarat, it is necessary so to do;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 20, read with paragraph 27, of the Milk and Milk Product Order, 1992, I hereby make the following order, namely:—

1. Short title, extent and commencement.—(1) This order may be called the Gujarat (Milk Export) Control Order, 1992.

(3) It shall come into force on the date of publication in the

(3) It shall come into force on the date of publication in the Official Gazette and shall cease to operate on the 1st August, 1992.

Provided that the expiry of this Order shall not affect the operation thereof in respect of things done or omitted to be done before such cesser of operation,

2. Definition.—In this Order, unless the context otherwise requires,—

(a) “Export” means to take or cause to be taken by any means whatsoever, out of any place from the State of Gujarat to any place within the territory of India;

(b) “Milk” means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof, either raw or processed in any

manner and includes pasteurised, sterilized, recombined, flavoured, acidified, skimmed, toned, double toned, standardised or full cream milk.

3. Prohibition on export of milk.—No person shall export milk from the State of Gujarat.

4. Power of entry, search, seizure, etc.—(1) The Collector, sub-Divisional Officer, Mamlatdar, any Police Officer not below the rank of Deputy Superintendent of Police, any Officer of the Food and Civil Supplies Department not below the rank of Enforcement Inspector or any other Officer whom the State Government may, by notification in the Official Gazette appoint in this behalf may, with a view to securing compliance of this order or for satisfying himself that this order is being complied with:

(a) stop and search any person or any boat, motor or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for the export of liquid milk;

(b) enter and search any place or premises which is used for the manufacture, sale, service or supply of milk;

(c) seize any stock or any milk in respect of which he has reason to believe that a contravention of any of the provisions of this order has been, is being or is about to be committed;

(d) seize or authorise the seizure of any milk in any place or premises together with packages, covering receptacles or machinery in which milk is found or the animals, vehicles, boats or other conveyance used for carrying milk for export and thereafter take all measures necessary for securing the production of packages, coverings receptacles, machinery, animals, vehicles, vessels, boats or other conveyance so seized before the Collector and their safe custody pending such production;

(e) direct by an order in writing any person who owns or is in possession of any stocks of milk in respect of which he has reason to believe that a contravention of the provisions of this order has been, is being or is about to be committed, not to remove or dispose off in any manner such stock of milk or package, covering or receptacle in which such milk is found, or any animal, vehicle, vessel or other conveyance used in carrying milk without further direction from the officer making such order.

(2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to search and seizure, under this clause.

[File No. 9-5/92-DP]
D. C. MISRA, Controller

प्राविष्ट

नई दिल्ली, 9 जून, 1992

का.पा. 410 (अ) :—दुध और दुध-उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 20 के उप पैरा (2) में विनियित बातों को ध्यान में रखते हुए मेरा यह सम्बोधन हो गया है कि मध्यप्रदेश राज्य में तरंग दुध के प्रदायकों को बनाए रखने और उसमें अधिवृष्टि के लिए ऐसा करना आवश्यक है;

अब, अब, मैं दुध और दुध-उत्पाद आदेश, 1992 के पैरा 27 के माध्य पठित पैरा 20 के उपरी (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए, निम्नलिखित आदेश करता हूँ, प्रथम:—

1. मंशित नाम, विस्तार और अंतिम:—(1) इस आदेश का मंशित नाम मध्यप्रदेश (दुध और दुध-उत्पाद) वियंत्रण आदेश, 1992 है।

(2) यह मंशित मध्यप्रदेश राज्य पर लागू होगा।

(3) यह राजपत्र में प्रकाशित की जारी की जाएगी और 31 जुलाई, 1992 को प्रभावहीन हो जाएगा;

परन्तु इस आदेश की समर्पित प्रबंधन की ऐसी समर्पित से पहले की गई या करने से नोप की गई किसी आत के बाबत उसके प्रबंधन को प्रभावित नहीं करेगा।

2. परिभाषाएँ:—इस आदेश में, जब तक मंदिर से अन्यथा प्रभेत्ति न हो:—

- (क) "नियंता" से मध्यप्रदेश राज्य में किसी स्थान से राज्य के बाहर किसी स्थान को किसी भी रीति से ले जाना या ले जाने देना अनिवार्य है।
- (ख) "तुग्र" से गाय, भैंस, भेड़, बकरी का तुग्र या उसका कोई समर्पित अभिप्रेत है जहाँ अप्रदृष्ट हो या किसी भी रीति प्रसंस्कृत हो और हममें पास्तोरीहूत, रोगान्, मासित, पुनः संयोजित, सुविकारित, अमर्मी कुत्ता, मछलिया, टोमित, डबल टोमित, मानकीहूत या संपूर्ण त्रीम दुग्ध है।
- (ग) "तुग्र-उत्पाद" से अभिप्रेत है:—
 - (1) खोया (जहाँ किसी भी नाम से जाना जाना हो);
 - (2) पनीर और दैना;
 - (3) रबड़ों;
 - (4) मछलिया तुग्रका केसीन;
 - (5) उपचांड (i) से (iv) में विविधिट किसी भी उत्पाद से निपित मिठाई।

3. तुग्र या तुग्र उत्पाद के नियंता का प्रतिषेध:—कोई व्यक्ति कारबाह या वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए तुग्र या तुग्र-उत्पाद का नियंता नहीं करेगा।

परन्तु इस वर्ड की कोई आत विस्तीर्ण तुग्र योजना और मदर डेरी, विल्सी की तरल तुग्र प्रदाय पर लागू नहीं होगी।

4. तुग्र उत्पाद के विनियमण, विक्रय, पूति और प्रदाय का प्रतिषेध:—कोई व्यक्ति,—

- (क) कारबाह या वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए किसी तुग्र-उत्पाद के विनियमण या तैयार करने के लिए तुग्र का उपयोग नहीं करेगा; या
- (ख) कारबाह या वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए प्रत्येक मामले में, किसी तुग्र-उत्पाद का विक्रय, पूति या प्रदाय नहीं करेगा या विक्रय, पूति या प्रदाय नहीं होने देगा।

5. प्रबंध करने, ललाशी लेने और अभिप्रहृत करने की मानित:—
(1) नायब-तहसीलदार से अन्यून पंक्ति का कोई राजस्व अधिकारी या खाद्य और नागरिक प्रदाय करने के अन्यून पंक्ति का खाद्य और नागरिक प्रदाय विभाग का कोई अधिकारी या ऐसा कोई अन्य अधिकारी जिसे राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया जाए, इस आदेश की पालना मुनिषित करने की वृद्धि से या अपना यह समाधान करने के लिए कि इस आदेश की पालना की जा रही है:—

(क) तुग्र के नियंता या किसी तुग्र पदार्थ के विनियमण के लिए प्रयुक्त या उपयोग के लिए आवश्यित किसी नोका, सोटर या अन्य यान या किसी पाल या मरीमरों या किसी अपित्त को रोक सकेगा और तलाशी ले सकेगा;

(ख) किसी स्थान या परिसर में प्रबंध कर सकेगा और तलाशी ले सकेगा;

(ग) किसी तुग्र या किसी तुग्र पदार्थ का जिसकी बाबत उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि इस आदेश के किसी उपचांड का उल्लंघन किया गया है, किया जा रहा है या किया जाने थाला है, उन पेंडेजों, मार्बेटकों, पत्तों या

मरीनरों के साथ-साथ जिनमें तुग्र पाया गया हो या नियंता के लिए तुग्र ले जाने के लिए प्रयुक्त पशुओं, यानों, नौकाओं या अन्य प्रबंधनों का अभिप्रहृत या अभिप्रदृष्ट अधिकृत कर सकेगा और उसके पश्चात इस प्रकार अभिप्रदृष्ट पेंडेजों, मार्बेटकों पशुओं, मरीनरों, पशुओं, यानों, जलयानों, नौकाओं या प्रबंधनों, का कलकटर या व्यापारिय के समक्ष प्रस्तुत किये जाने और प्रस्तुत किए जाने के दौरान उनकी सुरक्षित अभिरक्षा मुनिषित करने के आवश्यक सभी उपाय करेगा या किए गए उपायों को प्राप्तिकृत करेगा।

(2) तापांशी और अभिप्रहृत से संबंधित वण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 वा 3) को बारा 100 के उत्पाद, वाक्तव्यकृत, इस उपर के अधीन की गई तत्त्वांशी और अभिप्रहृत को लागू होंगे।

6. छूट—इस आदेश को कोई आत निम्नलिखित को लागू नहीं होगा:—

(क) तुग्र और तुग्र उत्पाद के उत्पादन, विक्रय, विनियमण, प्रसंस्करण, परिवहन, भैंडारण में लाली हुई मध्य प्रदेश सहकारी सोसायटी अधिसिवम, 1960 के अन्तर्गत रजिस्ट्रेशन कोई सहकारी सोसायटी;

(ख) कई बटर, तुग्र बटर, धी, भाइसर्कीम या कुल्फी का विनियमण या नियमिति जिसमें खोया या रबड़ों का प्रयोग नहीं किया गया है।

[का.सं. ८-५/१२-३१०४]
डॉ.सी. मिश्र, नियन्त्रक

New Delhi, the 9th June, 1992

ORDER

S.O. 410(E).—Whereas, having regard to the factors specified in sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Milk and Milk Product Order, 1992, I am satisfied that in order to maintain and increase the supply of liquid milk in the State of Madhya Pradesh, it is necessary so to do;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-paragraph (1) of paragraph 20, read with paragraph 27, of the Milk and Milk Product Order, 1992, I hereby make the following order, namely:—

1. Short title extent and operation

- (1) This Order may be called the Madhya Pradesh (Milk and Milk Product) Control Order, 1992.
- (2) It extends to the whole of Madhya Pradesh.
- (3) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette and shall cease to operate on the 31st July, 1992.

Provided that the expiry of this order shall not affect the operation thereof in respects of things done or omitted to be done before such cessation of operation.

2. Definitions.—In this order, unless the context otherwise requires,—

- (a) 'Export' means take or cause to be taken, by any means whatsoever, out of any place from the State of Madhya Pradesh to any place outside the State.
- (b) 'Milk' means milk of cow, buffalo, sheep, goat or a mixture thereof, either raw or processed in any manner and includes pasteurised, sterilised, recombined, flavoured, acidified, skimmed, toned, double toned, standardised or full cream milk;
- (c) 'Milk product' means,—
 - (i) Khoa (by whatever name called);
 - (ii) Paneer and channa;
 - (iii) Rubree;
 - (iv) Casein of skimmed milk;
 - (v) Sweets made from any of the products specified in sub-clauses (i) to (iv).

3. Prohibition of export of milk or milk products.—No person shall export for business or commercial purposes milk or milk product.

Provided that nothing in this clause shall apply to supply of liquid milk to the Delhi Milk Scheme and Mother Dairy, Delhi.

4. Prohibition of manufacture, sale, service and supply of milk product :—

No person shall,—

- (a) Use for business or commercial purposes milk for manufacture or preparation of **any** milk product; or
- (b) Sell, serve, supply or cause to be sold, served or supplied any milk product, in each case, for business or commercial purpose.

5. Powers of entry, search and seizure :—

(1) Any Revenue officer not below the rank of a Naib Tehsildar, any officer of Food and Civil Supplies Department not below the rank of an Assistant Food and Civil Supplies Inspector or any other officer authorised in this behalf by the State Government may, with a view to securing compliance with the order or satisfying himself that this order has been complied with :—

- (a) Stop and search any person or any boat, motor or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for export of milk or for manufacture of any milk product;
- (b) enter and search any place or premises;
- (c) seize or authorise the seizure of milk or milk product in respect of which he has reason to believe that any provision of this order has been, is being or is about to be contravened alongwith the packages, coverings or receptacles in which milk or milk product is found or machinery which is believed to be used for manufacture of milk product, vehicles, animals, vessels, boats or conveyances used in carrying milk or milk product and thereafter take or authorise the taking of all measures necessary for securing the production of packages, coverings, receptacle, animals, vehicles, vessels, boats or conveyance, so seized before the Collector or the Court and for their safe custody pending such production.

(2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to searches and seizure under this clause.

6. Exemption.—Nothing in this order shall apply to,—

- (a) Any cooperative society registered under the Madhya Pradesh Cooperative Society Act, 1960 engaged in the production, sale, manufacture, processing, transport, storage of milk and milk products;
- (b) manufacture or preparation of curd, butter, milk butter, ghee, ice-cream or Kulfi in which no khoya or rubree is used.

[F. No. 9-5/92-DP)
D. C. MISRA, Controller

आदेश

नई विनामी, 9 जून, 1992

का.पा. 411 (अ) :—मैं, दुग्ध और तुधु उत्पाद प्रावेश, 1992 के पेरा 31 के उपन्यैरा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि मंत्रालय के पशु पालन और डेरो विभाग में भारत सरकार के दुग्ध विकास के प्रभारी संयुक्त मंत्रिय को, इस आदेश को भारत से छह मास की अवधि के लिए या उक्त आदेश के पेरा 12 के अधीन नियंत्रक को नियुक्ति का ताराख तक, जो भा. पूर्वतन हा, नियंत्रक के कृत्यों के नियंत्रण के लिए प्राधिकृत करना हूँ।

[सं. 9-5/92-एपा
पा.जा. मुरलीधरन, मंत्रिय

ORDER

New Delhi, the 9th June, 1992

S.O. 411(E).—In exercise of the powers conferred by subparagraph (1) of paragraph 31 of the Milk and Milk Products Order, 1992, I hereby authorise the Joint Secretary to the Government of India, in charge of Dairy Development in the Department of Animal Husbandry and Dairying, Ministry of Agriculture to perform the functions of the Controller for a period of six months from the date of this Order or till the date of appointment of a Controller under paragraph 12 of the said Order, whichever is earlier.

[No. 9-5/92-DP]
P. G. MURALIDHARAN, Secy.

